125

No. 6.



*Archbishop of Cashel.*




John Frederick Lewis

# KL Januier

| | | | |
|---|---|---|---|
| iii | a | | La circoncision |
| | b | N. | Oct. s. estienne. |
| xi | c | N. | Oct. s. iehan |
| | d | N. | Oct. des innocens. |
| xix | e | N. | |
| viii | f | Id. | Latiphaine. |
| | g | Id. | |
| xvi | a | Id. | |
| v | b | Id. | |
| | c | Id. | S. guillemme |
| xiii | d | Id. | |
| ii | e | Id. | |
| | f | Id. | S. hilaire |
| x | g | Kl. | S. felix. |
| | a | Kl. | S. mor |
| xviii | b | Kl. | |
| vii | c | Kl. | |
| | d | Kl. | |
| xv | e | Kl. | |
| iiii | f | Kl. | S. sebastian |
| | g | Kl. | Ste agnes |
| xii | a | Kl. | S. vincent. |
| i | b | Kl. | |
| | c | Kl. | |
| ix | d | Kl. | Conuersion S. pol. |
| | e | Kl. | |
| xvii | f | Kl. | S. julien. |
| vi | g | Kl. | Ste agnes. |
| | a | Kl. | |
| xiiii | b | Kl. | Transl. Ste anne. |
| iii | c | Kl. | |





## feurier.

| | | | |
|---|---|---|---|
| | d | | S ſaier |
| xi | e | N | La purification |
| xix | f | N | S blaiſe. |
| viii | g | N | |
| | a | N | Ste agathe |
| xvi | b | Id | |
| v | c | Id | |
| | d | Id | |
| xiii | e | Id | S aubert. |
| ii | f | Id | Ste auſtreberte |
| | g | Id | |
| x | a | Id | |
| | b | Id | |
| xviii | c | kl | S valentin. |
| vii | d | kl | |
| | e | kl | |
| xv | f | kl | |
| iiii | g | kl | |
| | a | kl | |
| xii | b | kl | |
| i | c | kl | |
| | d | kl | S pierre |
| ix | e | kl | S marcel. |
| | f | kl | S mathias |
| xvii | g | kl | |
| vi | a | kl | Ste venice |
| | b | kl | Ste honorine. |
| xiiii | c | kl | |





Mars

| | | | |
|---|---|---|---|
| iii | d | KL | s. aubin. |
| | e | N. | |
| xi | f | N. | |
| | g | N. | |
| xix | a | N. | |
| viii | b | N. | |
| | c | N. | s. thomas daquin |
| xvi | d | Id. | |
| v | e | Id. | |
| | f | Id. | |
| xiii | g | Id. | |
| ii | a | Id. | s. gregoire. |
| | b | Id. | |
| x | c | Id. | |
| | d | Id. | |
| xviii | e | Kl. | |
| vii | f | Kl. | |
| | g | Kl. | |
| xv | a | Kl. | |
| iiii | b | Kl. | |
| | c | Kl. | s. benoist |
| xii | d | Kl. | |
| i | e | Kl. | |
| | f | Kl. | |
| ix | g | Kl. | La nostre dame |
| | a | Kl. | |
| xvii | b | Kl. | |
| vi | c | Kl. | |
| | d | Kl. | |
| xiiii | e | Kl. | |
| iii | f | Kl. | |





# Auril.

| | | | |
|---|---|---|---|
| | g | Kl | S. valeri. |
| xi | a | N | |
| | b | N | |
| xix | c | N | S. ambroise |
| viii | d | N | |
| xvi | e | Id | |
| v | f | Id | |
| | g | Id | |
| xiii | a | Id | S. hue. |
| ii | b | Id | |
| | c | Id | S. leon pape. |
| x | d | Id | |
| | e | Id | |
| xviii | f | Kl | |
| vii | g | Kl | |
| | a | Kl | S. calixte |
| xv | b | Kl | |
| iiii | c | Kl | |
| | d | Kl | |
| xii | e | Kl | |
| v | f | Kl | |
| | g | Kl | |
| ix | a | Kl | S. george. |
| | b | Kl | |
| xvii | c | Kl | S. marc |
| vi | d | Kl | |
| | e | Kl | |
| xiiii | f | Kl | S. vital. |
| iii | g | Kl | S. pierre le martir. |
| | a | Kl | S. eutrope. |



# KL May

| | | | |
|---|---|---|---|
| xi | b | KL | s. philippe s. iaque |
| | c | N. | s. anastaise |
| xix | d | N. | s. e croix. |
| viii | e | N. | |
| | f | N. | s. ouen |
| xvi | g | N. | s. iehan. |
| v | a | N. | |
| | b | Id. | |
| xiii | c | Id. | s. nicolas. |
| ii | d | Id. | s. laurens. |
| | e | Id. | |
| x | f | Id. | |
| | g | Id. | |
| xviii | a | Id. | |
| vii | b | Id. | |
| | c | Kl. | |
| xv | d | Kl. | |
| iiii | e | Kl. | |
| | f | Kl. | s. yues. |
| xii | g | Kl. | |
| i | a | Kl. | |
| | b | Kl. | |
| ix | c | Kl. | s. desir |
| | d | Kl. | |
| xvii | e | Kl. | s. vrbain pape. |
| vi | f | Kl. | |
| | g | Kl. | s. ildeuert. |
| xiiii | a | Kl. | |
| iii | b | Kl. | |
| | c | Kl. | |
| xi | d | Kl. | |




KL Iuing.

| | | | |
|---|---|---|---|
| | e | | s. nicomede. |
| xix | f | N. | |
| viii | g | N. | |
| xvi | a | N. | |
| v | b | N. | |
| | c | Id. | |
| xiii | d | Id. | |
| ii | e | Id. | |
| | f | Id. | |
| x | g | Id. | |
| | a | Id. | s. barnabe. |
| xviii | b | Id. | s. ursin. |
| vii | c | Id. | |
| | d | Kl. | |
| xv | e | Kl. | |
| iiii | f | Kl. | s. cir et iulite |
| | g | Kl. | s. romain. |
| xii | a | Kl. | |
| i | b | Kl. | s. geruais |
| | c | Kl. | |
| ix | d | Kl. | |
| | e | Kl. | |
| xvii | f | Kl. | vigile. |
| vi | g | Kl. | s. iehan baptiste. |
| | a | Kl. | s. eloy |
| xiiii | b | Kl. | |
| iii | c | Kl. | s. leon pp. |
| | d | Kl. | vigile. |
| xi | e | Kl. | s. pierre s. pol. |
| | f | Kl. | |



## Juillet

| | | | |
|---|---|---|---|
| xix | g | KL | s. tibault. |
| viii | a | N. | s. praxes. |
| | b | N. | s. martial. |
| xvi | c | N. | s. martin. |
| v | d | N. | |
| | e | N. | Oct. s. pierre. |
| xiii | f | N. | |
| ii | g | Id. | |
| | a | Id. | |
| x | b | Id. | |
| | c | Id. | s. benoist |
| xviii | d | Id. | |
| vii | e | Id. | |
| | f | Id. | |
| xv | g | Id. | |
| iiii | a | kl. | s. alexi. |
| | b | kl. | s. prath. |
| xii | c | kl. | s. cler. |
| i | d | kl. | |
| | e | kl. | se marguerite |
| ix | f | kl. | s. victor |
| | g | kl. | La magdalene |
| xvii | a | kl. | |
| vi | b | kl. | |
| | c | kl. | s. iaque. s. xpoffe |
| xiiii | d | kl. | se anne. |
| iii | e | kl. | |
| | f | kl. | s. sanson. |
| xi | g | kl. | |
| xix | a | kl. | |
| | b | kl. | s. germain. |





KL Aoust

| | | | |
|---|---|---|---|
| viii | c | | S. pierre |
| xvi | d | N | S. estienne. |
| v | e | N | S. estienne. |
| | f | N | |
| xiii | g | N | S. sauveur S. dnique |
| ii | a | Id | S. sauveur. |
| | b | Id | |
| x | c | Id | |
| | d | Id | Vigile |
| xviii | e | Id | S. laurens |
| vii | f | Id | S. taurin. |
| | g | Id | |
| xv | a | Id | S. ypolite. |
| iiii | b | kl | Vigile |
| | c | kl | L a nostre dame |
| xii | d | kl | |
| i | e | kl | |
| | f | kl | |
| ix | g | kl | |
| | a | kl | S. bernard |
| xvii | b | kl | |
| vi | c | kl | S. simphorian. |
| | d | kl | |
| xiiii | e | kl | S. berthelemieu |
| iii | f | kl | S. loys |
| | g | kl | |
| xi | a | kl | |
| xix | b | kl | S. augustin. |
| | c | kl | S. iehan. |
| viii | d | kl | S. fiacre. |
| | e | | |



# KL Septembre.

| | | | |
|---|---|---|---|
| xvi | f | KL | s. leu. s. gile. |
| v | g | N. | |
| | a | N. | s. gregoire |
| xiii | b | N. | |
| ii | c | N. | |
| | d | Id. | |
| x | e | Id. | |
| | f | Id. | La noſtre dame |
| xviii | g | Id. | s. gorgon. |
| vii | a | Id. | s. maturin. |
| | b | Id. | |
| xv | c | Id. | |
| iiii | d | Id. | s. mauriſe. |
| | e | Id. | Se croix |
| xii | f | Id. | s. lubin. |
| i | g | Kl. | |
| | a | Kl. | |
| ix | b | Kl. | s. ſimer |
| | c | Kl. | |
| xvii | d | Kl. | vigile |
| vi | e | Kl. | s. mathieu |
| | f | Kl. | s. maurice |
| xiiii | g | Kl. | |
| iii | a | Kl. | |
| | b | Kl. | s. fremin. |
| xi | c | Kl. | |
| xix | d | Kl. | s. coſme s. damian |
| | e | Kl. | |
| viii | f | Kl. | s. michel. |
| | g | Kl. | s. ieroſme. |



Octobre

| | | | |
|---|---|---|---|
| xvi | a | KL | s. remy |
| v | b | N. | |
| xiii | c | N. | |
| ii | d | N. | s. francois. |
| | e | N. | s. foy. |
| x | f | N. | |
| | g | N. | |
| xviii | a | Id. | |
| vii | b | Id. | s. denis |
| | c | Id. | |
| xv | d | Id. | s. nigaiſe |
| iiii | e | Id. | |
| | f | Id. | s. calixte. |
| xii | g | Id. | |
| i | a | Id. | |
| | b | Kl. | s. michel. |
| ix | c | Kl. | |
| | d | Kl. | s. lucas. |
| xvii | e | Kl. | s. uiſt |
| vi | f | Kl. | |
| | g | Kl. | |
| xiiii | a | Kl. | s. mellon |
| iii | b | Kl. | s. romain |
| | c | Kl. | |
| xi | d | Kl. | s. creſpin. |
| xix | e | Kl. | |
| | f | Kl. | Vigile |
| viii | g | Kl. | s. ſymon s. iude. |
| | a | Kl. | |
| xvi | b | Kl. | |
| v | c | Kl. | s. quentin. Vigile. |





# KL Nouembre.

| | | | |
|---|---|---|---|
| | d | | La toussains |
| xiii | e | N. | Les mors. |
| ii | f | N. | S. eustace. |
| | g | N. | |
| x | a | N. | |
| | b | Id. | S. leonard |
| xviii | c | Id. | |
| vii | d | Id. | Les iiii coronnez |
| | e | Id. | |
| xv | f | Id. | S. martin pape |
| iiii | g | Id. | S. martin. |
| | a | Id. | |
| xii | b | Id. | S. brice. |
| i | c | Kl. | |
| | d | Kl. | S. maclou |
| ix | e | Kl. | |
| | f | Kl. | S. aignen. |
| xvii | g | Kl. | |
| vi | a | Kl. | |
| | b | Kl. | |
| xiiii | c | Kl. | |
| iii | d | Kl. | Se cecile. |
| | e | Kl. | S. clement |
| xi | f | Kl. | S. grisagon. |
| xix | g | Kl. | Se catherine. |
| | a | Kl. | |
| viii | b | Kl. | S. maxime. |
| | c | Kl. | |
| xvi | d | Kl. | Vigile. |
| v | e | Kl. | S. andrieu. |







# Decembre

| | | | |
|---|---|---|---|
| | f | Kl. | S. eloy. |
| xiii | g | N. | |
| ii | a | N. | |
| x | b | N. | Ste barbe |
| | c | N. | |
| xviii | d | Id. | S. nicolas |
| vii | e | Id. | Oct. s. andrieu |
| | f | Id. | La nostre dame |
| xv | g | Id. | |
| iiii | a | Id. | |
| | b | Id. | |
| xii | c | Id. | |
| i | d | Id. | Ste luce. |
| | e | Kl. | |
| ix | f | Kl. | |
| | g | Kl. | O sapiencia. |
| xvii | a | Kl. | |
| vi | b | Kl. | |
| | c | Kl. | |
| xiiii | d | Kl. | |
| iii | e | Kl. | S. thomas |
| | f | Kl. | S. victor. |
| xi | g | Kl. | |
| xix | a | Kl. | Vigile |
| | b | Kl. | Le iour de noel |
| viii | c | Kl. | S. estienne. |
| | d | Kl. | S. iehan |
| xvi | e | Kl. | Les innocens |
| v | f | Kl. | S. thomas |
| | g | Kl. | S. [illegible]. |
| xiii | a | Kl. | S. siluestre |



ex voluntate carnis neque ex voluntate viri
sed ex deo nati sunt. Et verbum caro factum est
et habitavit in nobis. Et vidi
mus gloriam eius gloriam quasi
unigeniti a patre plenum gratie
et veritatis. Deo gratias. Antipho.
Te invocamus. Te adoramus. Te
laudamus. o beata trinitas. V.
Sit nomen domini benedictum. R.
Ex hoc nunc et usque in seculum. Oremus
Protector in te sperantium
deus sine quo nichil est va
lidum nichil sanctum. multipli
ca super nos misericordiam tuam. ut te
rectore te duce sic transeamus per
bona temporalia ut non amitta
mus eterna. Oratio. V.
Ecclesiam tuam quesumus
domine benignus illustra. ut beati
iohannis apostoli et euangeliste illu
minata doctrinis ad dona perve
niat sempiterna. per xpm dom
inum nostrum. R. Secundum lucam.
In illo tempore. Missus est
gabriel angelus a deo in



ciuitatem galilee cui nomen naza
reth. ad uirginem deſponſatam
uiro cui nomen erat ioſeph de do
mo dauid. et nomen uirginis
maria. Et ingreſſus angelus ad
eam dixit. Aue gratia plena. domi
nus tecum. benedicta tu in mulie
ribus. Que cum audiſſet turbata
ī ſermone eius et cogitabat qua
lis eſſet iſta ſalutatio. Et ait
angelus ei. Ne timeas maria īue
niſti enim gratiam apud dominum
Ecce concipies in utero et paries
filium. et uocab' nomē ei' ihm. hic
erit magnus et filius altiſſimi
uocabi. Et dabit illi dominus de'
ſedem dauid patris eius. et regna
bit in domo iacob ī eternū et regni ei'
nō erit finis. Dixit autem maria
ad angelum. Quomodo fiet iſtud
quoniam uirum non cognoſco. Et
reſpondens angelus dixit ei. Sps
ſanctus ſuperueniet ī te et uirtus
altiſſimi obumbrabit tibi. Ideoq;
et quod naſcetur ex te ſanctum uo

cabitur filius dei. Et ecce eliſabeth
cognata tua. et ipſa concepit filiū
i ſenectute ſua. Et hic menſis eſt
ſextus illi que vocatur ſterilis quia
non erit impoſſibile apud deum
omne verbum. Dixit autem maria
Ecce ancilla domini. fiat michi
ſecundum verbum tuum. Deo
gracias Secundum matheum

Cum natus eſſet iheſus
in bethleem iude in diebꝫ
herodis regis. ecce magi ab oriente
venerunt iheroſolimam dicentes
Vbi eſt qui natus eſt rex iudeorū
vidimus enim ſtellam eius ī oriente
et venimus cum muneribꝫ adora
re eum. Audiens autem herodes
rex turbatus eſt ⁊ omnis iheroſo
lima cum illo. Et congregans oē
principes ſacerdotum et ſcribas
populi. ſciſcitabatur ab eis vbi
chriſtus naſceretur. At illi dixe
runt. In bethleem iude. ſic enim
ſcriptum eſt per prophetam. Et
tu bethleem terra iuda neq̄quam.



minima es in principibus iuda. Ex
te enim exiet dux qui regat popu
lum meum israel. Tunc herodes
clam vocatis magis diligenter
didicit ab eis tempus stelle que
apparuit eis. Et mittens eos in beth
leem dixit. Ite et interrogate dilige
ter de puero et cum inveneritis
renuntiate michi. ut et ego veni
ens adorem eum. Qui cum au
dissent regem abierunt. et ecce
stella quam viderant in oriente
antecedebat eos usque dum veniens
staret supra ubi erat puer. Vi
dentes autem stellam gavisi sunt
gaudio magno valde. Et intra
tes domum invenerunt puerum
cum maria matre eius. Et pro
cidentes adoraverunt eum. Et
apertis thesauris suis obtulerunt
ei munera. aurum. thus et
mirram. Et responso accepto
in sompnis ne redirent ad hero
dem per aliam viam reversi sunt
in regionem suam. Deo gratias.

In illo tpe. Secudu marcum
Recumbentibz undecim disci
pulis apparuit illis ihs et expro
bravit incredulitatem illorum et
duriciam cordis quia his qui vide
rant eum resurrexisse a mortuis
non crediderant. et dixit eis. Euntes
in mundum universum predicate
euangelium omni creature. Qui
crediderit et baptizatus fuerit salu
erit. Qui vero non crediderit conde
mpnabitur. Signa autem eos qui
crediderint hec sequentur in noie
meo demonia eicient linguis lo
quentur novis serpentes tollent
Et si mortiferum quid biberint
non eis nocebit. Super egros
manus imponent et bene habe
bunt. Et dominus quidem ihs
postquam locutus est eis assumptus
est in celum et sedet a dextris dei.
Illi autem profecti predicauerunt
domino cooperante & sermonem
confirmante sequentibz signis.
Deo gras. Per euangelica dicta &c.





Oratio deuota. Beatiſſima uir
gine dei genitrice maria. .p. n.

Obſecro te domina
ſancta maria
mater dei pieta
te pleniſſima ſu
mi regis filia m̃r
glorioſiſſima mater orphanorũ
conſolatio deſolatorum uia erra
tium. ſalus omnium in te ſperã
tium. uirgo ante partum. uirgo
in partu. et uirgo poſt partum.
fons miẽ. fons ſalutis et gratie
fons conſolationis et indulgẽtie
fons pietatis et letitie. per illam
ſanctam ineffabilem letitiam q̃
exultauit ſpiritus tuus quando
tibi per gabrielem archangelum
annunciatus et conceptus filius
dei fuit. Et per illud diuinum mi
ſterium quod tunc operatus eſt
ſpiritus ſanctus. Et per illam ĩef
fabilem gratiam pietatem miaz
amorem et humilitatem per quã
filius tuus deſcendit accipere hu

humanam carnem in venerabiliſſio
vtero tuo. Et in quibꝫ te reſpexit
quando te commendauit ſancto
iohanni apoſtolo et euangeliſte.
et quando te exaltauit ſuper cho
ros angelorum. Et per illam ſcã
ineffabilem humilitatem in qua
tu reſpondiſti archangelo gabrieli
ecce ancilla domini. fiat michi
ſecundum verbum tuum. Et per
glorioſiſſima quindecim gaudia
que habuiſti de filio tuo domino no
ihū chriſto. Et per illam ſanctã
maximam compaſſionem et
acerbiſſimum cordis dolorem que
habuiſti quando filium tuum
dominum noſtrum ihesum chri
ſtum ante crucem nudatum et
e in ea leuatum vidiſti. pendentẽ
crucifixum vulneratum ſitientẽ
fel apponi clamantem audiſti
et morientem vidiſti. Et per
quinqꝫ vulnera filii tui. Et per
contritionem viſcerum tuorũ
pre nimio dolore vulnerũ ſuorũ



Et per dolorem quem habuiſti
quando vidiſti eum vulneratu
et per fontes ſanguinis ſui. et
per omnem paſſionem eius et
per omnem dolorem cordis tui.
et per fontes lacrimarū tuarū
vt cum omnibꝫ ſanctis et elec
tis dei venias et feſtines in auxi
lium et conſilium meum ī oibꝫ
orationibꝫ et requeſtis meis. et
in omnibꝫ anguſtiis et neceſſita
tibus meis. Et in omnibꝫ illis
rebꝫ in quibꝫ ego ſum facturus
locuturus aut cogitaturus oibꝫ
diebꝫ ac noctibꝫ horis atqꝫ mo
mentis vite mee. et michi famu
lo tuo impetres a dilecto filio tuo
complementum cum omni grā
et conſolatione omni conſilio
omni adiutorio. omni benedic
tione et ſanctificatione. omni
ſaluatione pace et proſperitate
omni gaudio et alacritate etiā
abundantiam omnium bono
rum ſpiritualium et corporaliū.

Et graciam ſancti ſpiritus qui
me bene per omnia diſponat
animam meam cuſtodiat corpus
meum regat mentem erudiat
mores componat actus probet
vota et deſideria mea perficiat.
cogitationes ſanctas inſtituat
preterita mala indulgeat preſen
ciam emendet futura moderetur.
Vitam honeſtam et honorabilem
michi tribuat. fidem. ſpem et ca
ritatem. caſtitatem humilitatem
et pacienciam michi tribuat.
Quinqꝫ ſenſus corporis mei
regat et protegat. Septem opera
mīe complere me faciat. Et a
ſeptem peccatis criminalibus
me liberet et defendat vſqꝫ in finem
Duodecim articulos fidei. et decem
precepta legis tenere et credere
me faciat. Et in noviſſimis
diebꝫ meis oſtende michi piiſſi
mam faciem tuam et annuncies
michi diem et horam obitus et
mortis mee. et hanc orationem

ſupplicem ſuſcipias et exaudias
et vitam eternam michi tribuas
Audi et exaudi me dulciſſima virgo
maria mater dei et mee. Amen

Alia oratio deuotiſſima. De bea
ta virgine dei genitrice maria.

O Intemerata et in et
ernum benedicta
ſingularis atque
incomparabilis
virgo dei genitrix
gratiſſimum dei templum ſpi
ritus ſancti ſacrarium ianua
regni celorum per quam poſt
deum totus viuit orbis terrarū
De te enim Vnigenitus dei filius
verus et omnipotens deus. ſua
ſanctiſſimam fecit matrem.
Aſſumens de te illam ſanctiſſi
mam carnem per quā mundus
perditus erat ſaluatus eſt. Cu
ius precioſiſſimo ſanguine
ſuo mundus xpē redemptus e.
et peccata remiſſa ſunt. For
mans eam in precioſiſſimo

vtero tuo de precioſiſſimo ſanguie
tuo viuens eam eterne et incommu
tabili diuinitati ſue aquo bona cū
cta procedunt per quem omnia
facta ſunt. Quemadmodo qui ſacra
tiſſimam carnem ſuam cum pre
cioſiſſimo ſanguine ſuo dat quoti
die fidelibꝫ ſuis ſub forma panis
et vini cibum viaticum et refec
cionem animarum ſalutarem
et vitalem. Quam qui digne
manducauerit vitam eternam
habebit. Qui autem indigne ma
ducauit iudicium ſibi manducat
et bibit ſicut plures feci. Mea
culpa mea culpa. mea grauiſſia
culpa. Qui autem non manduca
uerit non habebit vitā eternā.
Et propterea merito dicimus
quia per te poſt deum totus viuit
orbis terrarum. Per hanc fidem
te deprecor dei genitrix et perpetua
virgo ſemper maria. inclina au
res tue pietatis indignis ſuppli
cationibꝫ meis. Et eſto michi m



ſerrimo peccatori propicia in
omnibꝫ auxiliatrix. Exorans
pro me apud fontem pietatis
et meũ creatorem et redemptorem
dominum noſtrum ihm̃ xpm̃
filium tuum verum et omnipo
tentem deum a quo bona cuncta
procedunt per quem omnia fac
ta ſunt. qui non vult mortem
peccatoris. ſz ut magis conuer
tatur et viuat. Cui proprium eſt
miſereri ſemper et parcere ut ipſe
per ineffabilem miam̃ ſuam me
ritis et precibꝫ tuis abſoluat me
ab omnibꝫ peccatis per que ei diſ
plicui tribuens michi veram hu
militatem veram manſuetudinẽ
et obediendi gratiam fidei ſpei et
caritatis augmentum cum per
ſeuerentia. Cuſtodiens me a
recidiuo peccati et a temptationibꝫ
et machinationibꝫ demonum
mundi et carnis. ita ut non am
plius ſeruiam demonibꝫ quibus
ſeruiui in multitudinibꝫ ſcelerum.

meorum videlicet in ſuperbia.
vana gloria. cupiditate. invidia
in gula. accidia luxuria et ne
gligentiis infinitis et aliis mul
tis peccatis quibꝫ peccavi et alios
peccare feci. mea culpa. mea culp
mea graviſſima culpa. propter
hec peccata perdidi regnū celorū
et ſocietatem angelorum et tociens
offendi piſſimum filium tuum
et quotiens letificavi demones
peſſimos et merui eterna ſuppli
cia. tociens mea culpa. mea culp
mea graviſſima culpa. Ideo dep
cor te dei genitrix et perpetua ſep
virgo maria. ut tu impetres mi
indulgentiam et remiſſionem
omnium peccatorum iſtorum
et aliorum quecunqꝫ feci ab ipſo
filio tuo a quo bona cuncta proce
dunt per quem omnia facta ſt.
Qui etiam illuminat omnem
hominem venientem ī hunc
mundum fac ut ipſe illumīet me
tem meam lumine grē ſue. In

flammet eam igne ſuauiſſimi
amoris ſui. et faciat me ſeipm̄
cum patre et ſpiritu ſancto vnū
ſolum verum deum adorare in
ſpiritu et veritate. ſeipſum ſuper
omnia diligere et timere et eidem
firmiter obedire. ſua mandata
cuſtodire peccata uitare ſuam
ſanctam paſſionem et patiētiā
imitari. bonis operibꝫ abundare
proſpera mundi deſpicere. et nul
la eius aduerſa formidare. Et ta
lem penitentiam ī hac uita pro
cunctis ſceleribꝫ et peccatis meis
agere que ei precibꝫ et meritis tuis
beneplacens ſit ꝛ grata ut parcat
michi in alia uita concedens in
cum ſanctis et electis ſuis vitā
et leticiam ſempiternam Amē.

Incipiunt hore beate dei genitricis
virginis marie. Secundum
uſum rothomagen̄. Et primo
ad matutinas. De beata.

pleatur anima mea et labiis
exultationis laudabit os meum.
Si memor fui tui super stra-
tum meum in matutinis medi-
tabor in te quia fuisti adiutor meus.
Et in velamento alarum tua-
rum exultabo adhesit anima mea
post te me suscepit dextera tua.
Ipsi vero in vanum quesierunt
animam meam introibunt in
inferiora terre tradentur in ma-
nus gladii partes vulpium erunt.
Rex vero letabitur in deo lauda-
buntur omnes qui iurant in eo quia
obstructum est os loquentium
iniqua. Psalmus.
Deus misereatur nostri
et benedicat nobis illuminet
vultum suum super nos et
misereatur nostri.
Ut cognoscamus in terra viam
tuam in omnibus gentibus salutare tuum.
Confiteantur tibi populi deus
confiteantur tibi populi omnes.
Letentur et exultent gentes.





quoniam iudicas populos in eq̃
tate et gentes terra dirigis.
Confiteantur tibi populi d's
confiteantur tibi populi omnes
terra dedit fructum ſuum
Benedicat nos deus deus n̄r
benedicat nos deus et metuant
eum omnes fines terre.
Gloria patri. Pſalmus.
Benedicite omnia opera
domini domino laudate
et ſuperexaltate eum in ſecula.
Bened. angeli domini dn̄o
benedicite celi domino.
Bened. aq̄ om̄s q̄ ſr̄ celos ſt̄ do
dn̄o. bened. o͞s virtutes dn̄i dn̄o.
Benedicite ſol ⁊ luna dn̄o
benedicite ſtelle celi domino.
Benedicite ymber ⁊ ros dn̄o.
bened. omnis ſp̄s dei domino.
Benedicite ignis et eſtus dn̄o
benedicite frigus et eſtas dn̄o.
Bened. rores ⁊ pruina dn̄o
bened. gelu et frigus domino.
Benedicite glacies ⁊ nives do.

benedicite noctes ⁊ dies domino
Benedicite lux et tenebre domino
bened. fulgura et nubes domino
Benedicat terra dominũ. lau
det et ſuper exultet eum i ſecula.
Bened. montes ⁊ colles domino
bened. vniuſa gminãcia i tra dño
Bened. fontes domino. bened
maria et flumina domino.
Benedicite cete et omnia que
mouentur in aquis domino.
bened. omnes volucres celi dño
Bened. oẽs beſtie ⁊ pecora dño.
bened. filij hominum domino.
Benedicat iſrael dominum
laudet ⁊ ſuperexultet eũ i ſecula.
Bened. ſacerdotes dñi domino
benedicite ſerui domini domino
Bened. ſpũs ⁊ aĩe iuſtorum dño
benedicite ſancti et humiles
corde domino.
Benedicite anania azaria
miſael domino. laudate et ſu
perexultate eum in ſecula
Benedicamus patrẽ ⁊ filium





cum ſancto ſpiritu. laudemus et
ſuperexaltemus eum in ſecula.
Benedictus es domine in firma
mento celi. laudabilis et glorioſus
et ſuperexaltatus in ſecula. pſal.
Laudate dominum de celis
laudate eũ in excelſis.
Laudate eum omnes angeli eius
laud. eum omnes virtutes eius
Laudate eum ſol et luna. lau
date eum ſtelle et lumen.
Laudate eum celi celorum et
aq̃ q̃ ſr celos ſt. laudẽt nomẽ dni.
Quia ipſe dixit et facta ſunt.
ipſe mandavit et creata ſunt.
Statuit ea in eternum et in
ſeculum ſeculi preceptum poſuit
et non preteribit.
Laudate dominũ de terra dra
cones et omnes abyſſi.
Ignis grando nix glacies ſpũs
procellarũ q̃ faciunt verbum eius.
Montes et omnes colles ligna
fructifera et omnes cedri.
Beſtie et univerſa pecora ſer

pentes et omnes volucres pennate
Reges terre et omnes populi prin
cipes et omnes iudices terre
Iuuenes et virgines ſenes cu
iunioribz laudent nomen dñi: q
exaltatum eſt nomen eiꝰ ſolius.
Confeſſio eius ſuper celum et
terã. et exaltauit cornu ppli ſui.
Hymnus omnibz ſcõs eius filiis
iſrael populo appropinquanti ſibi
Cantate domino canticum
nouum laus eius in
eccleſia ſanctorum
Letetur iſrael in eo qui fecit eũ
et filie ſyon exultent in rege ſuo.
Laudent nomen eius ĩ choro
i tympano ꝛ pſalterio pſallant ei.
Quia beneplacitum eſt domino
in populo ſuo. et exaltauit mã
ſuetos in ſalutem
Exultabunt ſancti in gloria
letabuntur in cubilibz ſuis.
Exultationes dei ĩ gutture eoꝝ
et gladii ancipites ĩ manibz eoꝝ
Ad faciendam vindictam in



nationibꝫ increpationes in populis.
Ad alligandos reges eorum in
compedibus et nobiles eorum
in manicis ferreis.
Ut faciant in eis iudicium con
ſcriptum gloria hec eſt omnibꝫ
ſanctis eius. Pſalmus.
Laudate dominum in ſanctis
eius. laud eum in firmamento virtutis eius.
Laud eum in virtutibꝫ eius. laud eum
ſecundum multitudinem magnitudinis eius
Laudate eum in ſono tube. lau
date eum in pſalterio et cythara.
Laudate eum in tympano et
choro. laud eum in cord. et organo
Laudate eum in cymbalis
beneſonantibꝫ laudate eum in
cymbalis iubilationis omnis
ſpiritus laudet dominum
Gloria patri. Antiphona.
Aſſumpta eſt maria in celum gau
dent angeli laudantes benedicunt
dominum. Capitulum.
Ab omnibus requiem
queſiui et in hereditate domini



morabor. tunc precepit et dixit m
creator omnium et qui creavit
me requievit in tabernaculo
meo. Deo gratias. Hymnus
O Glorioſa domina excelſa
ſupra ſidera. qui te creavit
provide. lactaſti ſacrato ubere.
Quod eva triſtis abſtulit. tu
reddis almo germine intrent ut
aſtra flebiles celi feneſtra facta es.
Tu regis alti ianua et porta lu
cis fulgida vitam datam per vir
ginem gentes redempte plaudite.
Maria mater gratie. Verſus
Gloria tibi domine. Reſponſor.
Elegit eam deus et preelegit eam
Et habitare eam facit in tabernacu
lo ſuo. Antiphona. O glorioſa. Pſ
Benedictus dominus deus
iſrael quia viſitavit et
fecit redemptionem plebis ſue.
Et erexit cornu ſalutis nobis
i domo david pueri ſui
Sicut locutus eſt per os ſctorum q
a ſeculo ſunt prophetarum eius.





Salutem ex inimicis nris et de ma
nu omnium qui oderunt nos.
Ad faciendā misericordiā cū patribus nris
et memorari teſtamenti ſui ſancti.
Iuſiurandum quod iurauit
ad abraham patrem noſtrum.
daturum ſe nobis.
Ut ſine timore de manu inimico
rum nrorum liberati ſeruiamus illi.
In ſanctitate et iuſticia corā ipſo
omnibus diebus noſtris.
Et tu puer propheta altiſſimi
vocaberis preibis enim ante faciē
domini parare vias eius.
Ad dandam ſcientiam ſalutis
plebi eius in remiſſionē peccatorū eorum
Per viſcera mie dei nri in quibus
viſitauit nos oriens ex alto.
Illuminare his qui in tenebris
et in umbra mortis ſedent ad di
rigendos pedes nros in viam pacis
Gloria patri. Ant. O glorioſa dei
genitrix virgo ſemper maria que do
minum omnium meruiſti portare
regem angelorum ſola virgo lactare.

nā queſumus pia memorare. et pro
nobis chriſtum deprecare ut tuis ſulti
patrociniis ad celeſtia regna merea
mur peruenire. Oremus. Oratio.
Concede nos famulos tuos
queſumus domine deus
perpetua mentis et corporis ſalute
gaudere et glorioſa beate marie
ſemper virginis interceſſione a
preſenti liberari triſticia et eterna
perfrui leticia. Per dominum nrm.
De ſancto ſpiritu. Antiphona.
Veni ſancte ſpiritus reple tuorum
corda fidelium et tui amoris in eo
ignem accende. V. Emitte ſpiri
tum tuum et creabuntur. Reſpon.
Et renouabis faciem terre. Oremus.
Deus qui corda fidelium ſā
ſpiritus illuſtratione do
cuiſti da nobis in eodem ſpiritu rec
ta ſapere. et de eius ſemper conſola
tione gaudere. Per dominum.
De ſancto nicolao. Antiphona.
Amicus dei nicolaus pontificali deco
ratus. omnibus ſe amabilem exhibuit



Ora pro nobis beate nicolae. Reſpon
ut digni efficiamur ꝛc. Oremus. oro
Deus qui beatum nico
laum pontificem tuum
innumeris decoraſti miraculis
tribue nobis queſumus ut eius
meritis et precibus a gehenne in
cendiis liberemur. Per dominum.
℟ ſancta katherina. Antipho.
Virgo ſancta katherina grecie
gemma urbe alexandrina coſti re
gis erat filia. ℣ Diffuſa eſt gratia
in labiis tuis. ℟ Propterea bene
dixit te deus in eternum. Oremus. oro
Deus qui dediſti legem moy
ſi in ſummitate montis
ſynay. et in eodem loco per ſanctos
angelos tuos corpus beate kathe
rine virginis et martiris tue
mirabiliter collocaſti presta quesumus ut
eius meritis et precibus ad montem
qui chriſtus eſt valeamus perue
nire. Qui tecum vivit ꝛc.
Ad primam de beata virgine
dei genitrice maria.

Ideo non resurgunt impii in iudicio neque peccatores in consilio iustorum.

Quoniam novit dominus viam iustorum et iter impiorum peribit.

Gloria patri. Psalmus.

Quare fremuerunt gentes et populi meditati sunt inania.

Astiterunt reges terre et principes convenerunt in unum adversus dominum et adversus christum eius.

Dirumpamus vincula eorum et proiciamus a nobis iugum ipsorum.

Qui habitat in celis irridebit eos et dominus subsannabit eos.

Tunc loquetur ad eos in ira sua et in furore suo conturbabit eos.

Ego autem constitutus sum rex ab eo super syon montem sanctum eius predicans preceptum eius.

Dominus dixit ad me filius meus es tu ego hodie genui te.

Postula a me et dabo tibi gentes hereditatem tuam et possessionem tuam terminos terre.

Reges eos in virga ferrea. et





tanq̄ vas figuli confringes eos.
Et nunc reges intelligite
erudimini qui iudicatis terram
Seruite domino in timore et
exultate ei cum tremore.
Apprehendite disciplinam neq̄n
irascat̃ dn̄s ⁊ pereatis de via iusta
Cum exarserit in breui ira eiꝰ
beati oēs qui confidunt in eo.
Gloria patri. Psalmus
Uerba mea auribꝫ percipe
dn̄e. intellige clamorē meū
Intende voci orationis mee.
rex meus et deus meus.
Quoniam ad te orabo domine
mane exaudies vocem meam
Mane astabo tibi et videbo qm̄
nō deus volens iniquitatē tu es
Neqꝫ habitabit iuxta te malignꝰ
neqꝫ permanebūt iniusti an̄ oculos tuos
Odisti omnes qui operantur
iniquitatē perdes oēs q̄ loquūtur mendaciū
Uirum sanguinum et dolosū
abhominabitur dominus ego
autē i multitudine mīe tue.

Introibo in domum tuam ado
rabo ad templum ſanctum tuū
in timore tuo
Domine deduc me ī iuſticia tua ꝓpt
inimicos meos dirige in conſpectu
tuo viam meam.
Quoniam nō eſt ī ore eorū veri
tas. cor eorum vanum eſt
Sepulchrum patens eſt guttur
eorum linguis ſuis doloſe agebant
iudica illos deus
Decidant a cogitationibꝫ ſuis
ſecundum multitudinem impie
tatum eorum expelle eos quonia
irritauerunt te domine.
Et letentur omnes qui ſperant
in te in eternū exultabūt. ꝛ habitabis in eis
Et gloriabuntur ī te omnes q̄ di
ligunt nomē tuū qm̄ tu bn̄dices iuſto
Domine ut ſcuto bone volun
tatis tue coronaſti nos.
Gloria patri et filio. Pſalmus.
Laudate dominum oēs gentes lau
date eū omnes populi.
Quoniam confirmata eſt ſuper nos



nia eius et veritas domini ma
net in eternum

Gloria patri. Antiphona. Maria
virgo aſſumpta eſt ad ethereum tha
lamum in quo rex regum ſtellato
ſedet ſolio. Capitulum.
Per te dei genitrix nobis eſt
vita perdita. Data que de celo ſuſce
piſti prolem et mundo genuiſti
ſaluatorem. Deo gratias. Reſpon.
Aue maria gratia plena. Dominus
tecum. Aue maria. Vſ. Benedicta tu
in mulieribus et benedictus fructus ven
tris tui. Dominus tecum. Gloria patri.
Aue maria. Vſ. Sancta dei genitrix
virgo ſemper maria. R. Intercede pro
nobis ad dominum deum noſtrum. Oremus.
Concede nos famulos tuos que
ſumus domine deus etc.

Ad terciam Beatiſſima virgi
ne dei genitrix maria.

Nisi dominus custodierit ciui
tatem frustra uigilat qui custodit ea.
Vanum est uobis ante lucem
surgere surgite postquam sederitis qui
manducatis panem doloris.
Cum dederit dilectis suis so
mnum ecce hereditas domini filii
merces fructus uentris.
Sicut sagitte in manu pote
tis ita filii excussorum.
Beatus uir qui impleuit desi
derium suum ex ipsis non confu
detur cum loquetur inimicis
suis in porta.
Gloria patri. Psalmus.
Beati omnes qui timent
dominum. qui ambu
lant in uiis eius.
Labores manuum tuarum
quia manducabis. beatus es
et bene tibi erit.
Vxor tua sicut uitis habundans
in lateribus domus tue.
Filii tui sicut nouelle oliua
rum in circuitu mense tue.

Ecce ſic benedicetur homo.
qui timet dominum
Benedicat tibi dominus ex ſyon
et videas bona iheruſalem omnibus
diebus vite tue.
Et videas filios filiorum tuorum
pacem ſuper iſrael.
Gloria patri. Antiphona. Pul
chra es et decora filia iheruſalem
terribilis ut caſtrorum acies ordinata.
Et radicaui. Capitulum.
in populo honorificato et
partes dei mei hereditas illius
et in plenitudine ſanctorum
detentio mea. Deo gratias. R.
Specioſa facta es et ſuauis. Specio
ſa. Verſus. In delicijs tuis ſancta
dei genitrix. Et ſuauis. Gloria patri.
Specioſa. Verſus. Dignare me
laudare te virgo ſacrata. Reſponſum.
Da michi virtutem contra hoſtes
tuos. Oremus. Oratio.
Concede nos famulos tuos etc.
Ad veſperas de beatiſſima virgi
ne dei genitrice maria

bona cuncta poſce.
Monſtra te eſſe matrem
ſumat per te preces qui pro no
bis natus tulit eſſe tuus
Virgo ſingularis inter om
nes mitis. nos culpis ſolutos
mites fac et caſtos
Vitam preſta puram. iter
para tutum. ut videntes ihm.
ſemper collectemur.
Sit laus deo patri ſummo
chriſto decus. ſpiritui ſancto.
trinus honor unus. Amen.
Verſus. Poſt partum virgo inviola
ta permanſiſti. Reſponſorium.
Dei genitrix intercede pro nobis.
Antiphona. Sancta maria.
Magnificat anima mea
dominum.
Et exultavit ſpiritus meus
in deo ſalutari meo.
Quia reſpexit humilitatem
ancille ſue ecce enim ex hoc beata
me dicent omnes generationes
Quia fecit michi magna qui

potens est. et sanctum nomen eius.
Et misericordia eius a progenie in pro
genies timentibus eum.
Fecit potenciam in brachio
suo. dispersit superbos mente
cordis sui.
Deposuit potentes de sede. et
exaltavit humiles.
Esurientes implevit bonis et
divites dimisit inanes.
Suscepit israel puerum suum
recordatus misericordie sue.
Sicut locutus est ad patres nostros
abraham et semini eius in secula.
Gloria patri. Antiphona. Sancta
maria succurre miseris iuva pu
sillanimes refove flebiles. ora pro
populo interveni pro clero intercede
pro devoto femineo sexu. Oratio.
Concede nos famulos tuos
quesumus domine deus etc.

Ad completorium. Dulcissima
virgine. dei genitrix maria.

nomini domini altiſſimi.
Gloria patri. Pſalmus.
Judica me deus et diſcer
ne cauſam meam de
gente non ſancta ab homine
iniquo z doloſo erue me.
Quia tu es deus fortitudo mea
quare me repuliſti et quare tri
ſtis incedo dum affligit me inimicus
Emitte lucem tuam et verita
tem tuam ipſa me deduxerunt
et adduxerunt in montem ſanctū
tuum et in tabernacula tua.
Et introibo ad altare dei ad
deum qui letificat iuuentutem meam.
Confitebor tibi in cithara deus
deus meus. quare triſtis es ani
ma mea. et quare conturbas me
Spera in deo quoniam adhuc
confitebor illi ſalutare vultus
mei et deus meus.
Gloria patri z c. Pſalmus.
Sepe expugnauerunt me
a iuuentute mea. dicat
nunc iſrael.





Sepe expugnauerunt me a iu
uentute mea etenim non potue
runt michi.
Supra dorſum meum fabrica
uerunt peccatores prolongaue
runt iniquitatem ſuam.
Dominus iuſtus concidet cer
uices peccatorum confundant
et conuertant retrorſu oēs q oderunt ſyon.
Fiant ſicut fenum tectorum
priuſq̄ euellatur exaruit.
De quo non impleuit manū
ſuam qui metet et ſinum ſuū
qui manipulos colliget.
Et non dixerunt qui preteribat
benedictio domini ſuper vos. be
nediximus uobis i nomine domini
Gloria patri z cē. Pſalmus.
Domine non eſt exaltatū
cor meum neq; elati
ſunt oculi mei.
Neq; ambulaui in magnis
neq; i mirabilib; ſuper me.
Si non humiliter ſentiebā.
ſ; exaltaui animam meam.

Sicut ablactatus eſt ſuper ma-
tre ſua. ita retributio in anima mea.
Speret iſrael in domino. ex hoc
nunc et uſque in ſeculum.
Gloria patri et filio.
Sicut erat. Antiphona.
Cum iocunditate memoriam beate
celebremus ut ipsa pro nobis inter
cedat ad dominum ihesum xpm. Capit.
Sicut cinnamomum et balſa
mum aromatizans odorem
dedi quaſi mirra electa dedi ſuaui
tatem odoris. Deo gratias. Hymn.
Virgo ſingularis inter omnes
mitis. nos culpis ſolutos mites
fac et caſtos.
Vitam preſta purum iter para
tutum ut uidentes ihesum ſem
per colletemur.
Sit laus deo patri. ſummo
chriſto decus ſpiritui ſancto. tri
nus honor unus. Amen. Versus.
Ecce ancilla domini. Reſponſorium.
Fiat michi ſecundum verbum
tuum. Ant. Ecce completa. ps.

Nunc dimittis ſeruum tu
um domine. ſecundum
verbum tuum in pace.
Quia viderunt oculi mei.
ſalutare tuum
Quod paraſti ante faciem
omnium populorum
Lumen ad reuelationem gen
tium et gloriam plebis tue iſrael
Gloria patri.
Sicut erat. Antiphona.
Ecce completa ſunt omnia que
dicta ſunt per angelum de virgi
ne maria. Oratio.
Gratiam tuam queſumus
domine mentibus noſtris infun
de ut qui angelo nunciante chri
ſti filii tui incarnationem cogno
uimus per paſſionem eius et
crucem ad reſurrectionis gloriam
perducamur per eundem.

Ad matutinas. De cruce do
mini noſtri. ihesu christi.

Vultu dei conſpuunt lumen celi gra-
tum. Antipho. Adoramus te xpe.
Domine iheſu chriſte.
Deus in adiutoriu. Hymnus.
Crucifige clamitant hora ter-
ciarum. Illuſus induitur
veſte purpurarum. Caput eius
pungitur corona ſpinarum. Cruce
portat humeris ad locu penarum
Antiphona. Adoramus. oratio.
Domine ihu chriſte. ad ſexta.
Deus in adiutorium. Hymn9.
Hora ſexta ihs eſt cruci con
clauatus. atq3 cum latroni
b3 pendens deputatus. pretormen
tis ſitiens felle ſaturatus. Agnus
crimen diluit ſic ludificatus. Ant.
Adoramus. Domine ihu chriſte
Deus in adiutorium. Hymn9.
Hora nona dominus ihs ex
ſpirauit. hely clamans.
animam patri commendauit.
Latus eius lancea miles perfora
uit. Terra tunc contremuit et
ſol obſcurauit. A. Adoramus.



Domine ihu chriſte. Ad veſpās
Deus in adiutorium. Hymnus
De cruce deponitur hora veſ
pertina. Fortitudo latuit
i mente diuina. Talem mortē
ſubiit vite medicina. Heu coro
na glorie iacuit ſupina. Ant.
Adoramus. Domine. ihu xpe.
Ad completorium de cruce domini
Conuerte nos deus ſalutar.
Deus in adiutorium. Hymnus
Hora completorii datur
ſepulture. Corpus chriſti
nobile ſpes vite future. Conditur
aromate complentur ſcripture.
Iugis ſit memoria mors hec mi
chi cure. Recommendatio.
Has horas canonicas cum
deuotione. Tibi chriſte re
colo pia ratione. Vt qui pro me
paſſus es amoris ardore. Sis mi
ſolatium in mortis agone. An.
Adoramus te chriſte & cet. Oratio.
Domine iheſu chriſte & cet.
De ſancto ſpiritu. Ad matut.

eleuatus. Antiphō. Veni ſancte.
Omnipotens ſempiterne dn̄e.
Deus in adiutorium. Hymnꝰ
Donum ſanctum ſpiritū deꝰ
delegauit. In penthecoſte
ipſos confirmauit. et de linguis i-
gneis ipſos inflammauit. Relin-
quere orphanos eos denegauit.
Ant. Veni ſancte. Oro. Omnipotēs.
Deus in adiutorium. Hymnꝰ
Septiformem gratiā tunc
acceptauerunt. Quare ꝑ
diomata cuncta cognouerunt. Ad
diuiſa climata mundi receſſerunt
et fidem catholicam tunc predica-
uerunt. A. Veni. Oro. Omnipotens.
Deus in adiutorium. Hymnꝰ
Spiritus paraclitus fuit
appellatus. Donum dei ca-
ritas. fons viuificatus. Spirita-
lis vnctio ignis inflammatus.
Septiformis grā cariſma donatus
Ant. Veni. Omnipēs. Deus i adiutor.
Dextre dei digitus uirtus ſpi-
ritualis. Nos defendit eternal-





ab omnibꝫ malis. Et nobis non
noceat demon infernalis. Sed pro
tegat foueat nutriat ſub aſle.
Antiphona. Veni ſancte ſpiritus
Omnipotens. Ad completoꝛ.
Conuertat nos. Hymnus.
Spiritus paraclitus nos
Velit iuuare. Greſſus
nos regere et illuminare. Et
cum deus venerit omnes iudi
care. Nos velit ad dexteram ſu
am appellare. Recommendatio.
Has horas canonicas cum
deuotione. Tibi ſancte ſpe
pia dictione. Dignum nos viſites
inſpiratione. Vt viuamus in
eterne celi regione. Antiphona.
Veni ſancte ſpiritus. Oratio.
Omnipotens ſempiterne.

Sequuntur ſeptem pſalmi
penitentiales.

conuertantur et erubescant val
de velociter. Psalmus.
Beati quorum remisse sunt
iniquitates et quorum tecta sunt pecca.
Beatus vir cui non imputauit
dominus peccatum nec est in
spiritu eius dolus.
Quoniam tacui inueterauerunt
ossa mea dum clamarem tota die.
Quoniam die ac nocte grauata
est super me manus tua conuersus
sum in erumpna mea dum configitur spina.
Delictum meum cognitum tibi feci et
iniusticiam meam non abscondi
Dixi confitebor aduersum me
iniusticiam meam domino et tu
remisisti impietatem peccati mei.
Pro hac orabit ad te omnis
sanctus in tempore oportuno.
Uerumtamen in diluuio aqua
rum multarum ad eum qui
non approximabunt.
Tu es refugium meum a tri
bulatione mea que circumdedit
me. exultatio mea erue me a





circumdantibꝫ me.
Intellectum tibi dabo et iſtruã
te in via hac qua gradieris. firma
bo ſuper te oculos meos.
Nolite fieri ſicut equus et mu
lus quibꝫ non eſt intellectus.
In chamo et freno maxillas
eorum conſtringe. qui non
approximant ad te.
Multa flagella peccatoris ſpe
rantem autem in domino.
miſericordia circumdabit
Letamini in domino et exul
tate iuſti. ⁊ gloriamini omnes
recti corde. Pſalmus.
Domine ne in furore tuo
arguas me. neqꝫ in ira tua.
corripias me.
Quoniam ſagitte tue infixe
ſunt michi et confirmaſti ſuper
me manum tuam.
Non eſt ſanitas in carne
mea a facie ire tue non ē pax
oſſibꝫ meis a facie peccatoꝝ meorũ
Quoniam iniquitates mee

Quoniam iniquitates mee
supergresse sunt caput meum
z sicut onus graue grauate sunt super me.
Putruerunt et corrupte sunt
cicatrices mee. a facie insipientie mee.
Miser factus sum et curuatus
sum usque in finem tota die con
tristatus ingrediebar.
Quoniam lumbi mei impleti sunt illu
sionibus. z non est sanitas in carne mea.
Afflictus sum et humiliatus
sum nimis. rugiebam a gemi
tu cordis mei.
Domine ante te omne deside
rium meum et gemitus meus
a te non est absconditus
Cor meum conturbatum est
in me dereliquit me virtus mea
et lumen oculorum meorum.
et ipsum non est mecum
Amici mei z proximi mei aduersum
me appropinquauerunt z steterunt
Et qui iuxta me erant de lon
ge steterunt et vim faciebant qui
querebant animam meam.





Et qui inquirebant mala michi
locuti ſunt vanitates et dolos tota
die meditabantur.
Ego autẽ tanq̃ ſurdus nõ audiebã
et ſicut mutus nõ aperiens os ſuum
Et factus ſum ſicut homo non
audiens et non habens in ore ſuo
redargutiones.
Quoniam in te domine ſperaui tu exau
dies me domine deus meus.
Quia dixi nequando ſupergau
deant michi inimici mei. et dum
commouentur pedes mei ſuper
me magna locuti ſunt
Quoniam ego in flagella para
tus ſum et dolor meus in conſpec
tu meo ſemper.
Quoniam iniq̃tatẽ meã annũciabo et
cogitabo pro peccato meo.
Inimici autem mei viuunt
et confirmati ſunt ſuper me.
multiplicati ſunt qui oderunt
me inique.
Qui retribuunt mala pro bo
nis detrahebant michi quoniã

ſequebar bonitatem.
Ne derelinquas me domine deus
meus ne diſceſſeris a me.
Intende in adiutorium meum
domine deus ſalutis mee.
Gloria patri. Pſalmus.
Miſerere mei deus ſecundum
magnam miſericordiam tuam.
Et ſecundum multitudinem
miſerationum tuarum dele
iniquitatem meam.
Amplius lava me domine ab
iniuſtitia mea: et a peccato meo munda me.
Quoniam iniquitatem meam ego cognoſco:
et peccatum meum contra me eſt ſemper.
Tibi ſoli peccavi et malum coram
te feci: ut iuſtificeris in ſermonibus
tuis et vincas cum iudicaris.
Ecce enim in iniquitatibus conceptus ſum:
et in peccatis concepit me mater mea.
Ecce enim veritatem dilexiſti incerta et o
culta ſapientie tue manifeſtaſti mi
Aſperges me domine yſopo et
mundabor: lavabis me et ſuper
nivem dealbabor.





Auditui meo dabis gaudiū et leti
ciam et exultabunt ossa humiliata.
Averte faciem tuam a peccatis meis
et omnes iniquitates meas dele.
Cor mundū crea in me deus spiritum rectū
innova in visceribus meis.
Ne proiicias me a facie tua. et
spiritum sanctum tuum ne auferas a me.
Redde michi leticiam saluta
ris tui et spiritu principali cōfirma me.
Docebo iniquos vias tuas et
impii ad te convertentur.
Libera me de sanguinibus
deus deus salutis mee et exulta
bit lingua mea iustitiam tuam.
Domine labia mea aperies. et
os meum annūciabit laudē tuā.
Quoniam si voluisses sacrifi
cium dedissem utique holocaustis
non delectaberis.
Sacrificium deo spiritus con
tribulatus cor contritum et hum
liatum deus non despicies.
Benigne fac domine in bona
voluntate tua syon ut edificentur.

muri iheruſalem.
Tunc acceptabis ſacrificium
iuſticie oblationes et holocauſta
tunc imponent ſuper altare tuum vitulos.
Gloria patri et cetera. Pſalmus.
Domine exaudi orationem meam
et clamor meus ad te veniat.
Non avertas faciem tuam
a me in quacumque die tribulor
inclina ad me aurem tuam.
In quacumque die invocavero te
velociter exaudi me.
Quia defecerunt ſicut fumus
dies mei et oſſa mea ſicut cre-
mium aruerunt.
Percuſſus ſum ut fenum et
aruit cor meum quia oblitus
ſum comedere panem meum.
A voce gemitus mei adheſit
os meum carni mee.
Similis factus ſum pellica-
no ſolitudinis. factus ſum ſi-
cut nicticorax in domicilio.
Vigilavi et factus ſum ſicut
paſſer ſolitarius in tecto.

Tota die exprobrabant michi inimici mei et qui laudabant me adversum me iurabant.

Quia cinerem tanquam panem manducabam et potum meum cum fletu miscebam.

A facie ire indignationis tue quia elevans allisisti me.

Dies mei sicut umbra declinavit et ego sicut fenum arui.

Tu autem domine in eternum permanes et memoriale tuum in generatione et generationem.

Tu exurgens domine misereberis syon quia tempus miserendi eius quia venit tempus.

Quoniam placuerunt servis tuis lapides eius et terre eius miserebuntur.

Et timebunt gentes nomen tuum domine et omnes reges terre gloriam tuam

Quia edificavit dominus syon et videbitur in gloria sua

Respexit in orationem humi

liū ꝛ nō ſpreuit precem eorum
Scribantur hec in generatiō
altera. et populus qui creabi
tur laudabit dominum.
Quia proſpexit de excelſo ſcō
ſuo dns̄ de celo in terram aſpexit.
Ut audiret gemitus cōpeditorꝫ
ut ſolueret filios interemptorum
Ut annuncient in ſyon no
men domini et laudem eius
in iheruſalem
In conueniēdo populos in unum
et reges ut ſeruiant domino.
Reſpondit ei in uia uirtutis
ſue. paucitatem dierum meo
rum nuncia michi
Ne reuoces me in dimidio die
rum meorum in generatione ꝛ
generationem anni tui
Initio tu domine terrā fundaſti
et opa manuū tuarū ſunt celi.
Ipi peribunt tu autē pmanes
et oēs ſicut veſtimentū veteraſcent
Et ſicut opertorium mutabis
eos et mutabuntur tu autē idem

ipſe es et anni tui non deficient.
Filii ſeruorum tuorum habitabunt & ſemen eorũ in ſeculũ dirigetur.
Gloria patri & ẽt. Pſalmus.
De profundis clamaui ad te domine. domine exaudi vocem meam.
Fiant aures tue intendentes ĩ vocem deprecationis mee.
Si iniquitates obſeruaueris dñe quis ſuſtinebit.
Quia apud te propitiatio eſt et ꝓpter legẽ tuã ſuſtinui te domine.
Suſtinuit anima mea ĩ verbo eius ſperauit aĩa mea in domino
A cuſtodia matutina vſq3 ad noctem ſperet iſrael in domino.
Quia apud dominum mĩa et copioſa apud eum redemptio.
Et ipſe redimet iſrael ex omĩbꝫ iniquitatibꝫ eius.
Gloria patri & ẽt. Pſalmus.
Domine exaudi orationem meam auribꝫ percipe obſecrationem meam ĩ veritate

tua exaudi me in tua iuſticia.
Et non intres in iudicium
cum ſeruo tuo domine quia non iu
ſtificabitur in conſpectu tuo omnis viuens.
Quia perſecutus eſt inimicus
animam meam humiliauit
in terra vitam meam.
Collocauit me in obſcuris ſi
cut mortuos ſeculi et anxiatus
eſt ſuper me ſpiritus meus in
me turbatum eſt cor meum.
Memor fui dierum antiquorum
meditatus ſum in omnibus operibus
tuis in factis manuum tuarum meditabar.
Expandi manus meas ad te anima
mea ſicut terra ſine aqua tibi.
Velociter exaudi me domine
defecit ſpiritus meus.
Non auertas faciem tuam a me et
ſimilis ero deſcendentibus in lacum.
Auditam fac michi mane
miſericordiam tuam quia in te ſperaui.
Notam fac michi viam in
qua ambulem. quia ad te leua
ui animam meam.

Eripe me de inimicis meis
domine ad te confugi doce me fa
cere voluntatem tuam quia
deus meus es tu.
Spiritus tuus bonus deducet
me in terram rectam propter no
men tuum domine viuificabis
me in equitate tua.
Educes de tribulatione animam
meam et in mīa tua diſperdes.
omnes inimicos meos.
Et perdes omnes qui tribulāt
animam meā quoniam ego ſeruus tuus ſu
Gloria patri et cetera. Antiphona
Ne reminiſcaris domine delicta nr̄a
vel parentum noſtrorum neqꝫ vindictā
ſumas de peccatis noſtris. Letania
Kyrieleyſon. Chriſte eleyſon.
Kyrieleyſon. Chriſte audi nos
Pater de celis deus miſerere nobis.
Fili redemptor mundi deus. mi. n.
Spiritus ſancte deus. miſere. n.
Sancta trinitas vnus deus. mi. n.
Sancta maria. ora pro nobis.
Sancta dei genitrix. ora.

Sancta virgo virginum. ora
Sancte michael ora
Sancte gabriel. ora
Sancte Vriel. ora
Omnes sancti angeli et archangeli. ora
Omnes sancti beatorum spirituum ordines. ora
Sancte iohannes baptista. ora
Omnes sancti patriarche et prophete. ora
Sancte petre ora
Sancte paule ora
Sancte andrea. ora
Sancte iacobe. ora
Sancte iohannes. ora
Sancte philippe. ora
Sancte bartholomee. ora
Sancte thoma. ora
Sancte mathee. ora
Sancte iacobe. ora
Sancte symon ora
Sancte thadee. ora
Sancte mathia. ora
Sancte barnaba. ora
Sancte luca. ora
Sancte marce. ora
Sancte marcialis ora

Omnes sci apli. z euangeliste. or
Sancte vrsine. or
Omnes sancti discipuli domini. or
Omnes sancti innocentes. or
Sancte stephane. or
Sancte clemens. or
Sancte fabiane. or
Sancte sebastiane. or
Sancte laurenti. or
Sancte vincenti. or
Sancte thoma. or
Sancte geruasi. or
Sancte prothasi. or
Sancte iohannes. or
Sancte cosma. or
Sancte damiane. or
Sancte blasi. or
Scte dionisi c. so. t. or
Scte maurici c. so. t. or
Scte eustachi c. so. t. or
Scte eutropi. or
Sancte firmine. or
Omnes sancti martires. or
Sancte mercuri. or
Sancte martine. or



Sancte ambroſi or̄
Sancte auguſtine. or̄
Sancte ieronime. or̄
Sancte mellone or̄
Sancte medarde. or̄
Sancte gildarde. or̄
Sancte romane. or̄
Sancte audoene. or̄
Sancte auſberte. or̄
Sancte ſeuere. or̄
Sancte laude. or̄
Sancte eligi. or̄
Sancte egidi or̄
Sancte iuliane. or̄
Sancte nicolae or̄
Sancte taurine. or̄
Sancte benedicte. or̄
Sancte maure. or̄
Sancte leonarde or̄
Sancte vuandregiſille. or̄
Sancte vulfrane. or̄
Omnes ſc̄i cōfeſſores or̄
Scā m̄. magdalena. or̄
Sancta agatha. or̄
Sancta agnes. or̄



Sancta lucia ora
Sancta cecilia ora
Sancta katherina ora
Sancta austreberta ora
Sancta barbara ora
Sancta anna. ora
Sancta margareta ora
Sancta brigida. ora
Sancta scolastica ora
Sancta eulalia ora
Sancta genouefa. ora
Sancta iuliana ora
Sancta honorina. ora
Sancta eufemia ora
Sancta fides. ora
Sancta spes. ora
Sancta caritas ora
Sancta perpetua. ora
Omnes sancte virgines orate
Omnes sancti orate
Propicius esto parce nobis domine
Ab omni malo libera nos domine.
Ab insidiis diaboli. libera
A dampnacione perpetua libera
Ab imminentibus peccatorum

noſtrorum periculis. Li.
Ab infeſtacionibꝫ demonū. Li.
A ſpiritu fornicationis. Li.
Ab appetitu inanis glorie. Li.
Ab oī immundicia mētis ꝛ corpis
Ab ira et odio et omni mala
voluntate. Li.
A cecitate cordis.
A fulgure et tempeſtate. Li.
A ſubitanea morte. Li.
Per myſteriū ſcē icarnacōīs tue.
Per adventum tuum. Li.
Per nativitatem tuam. Li.
Per circumciſionem tuam. Li.
Per apparicionem tuam. Li.
Per baptiſmum tuum. Li.
Per paſſiōe ꝛ crucē tuam. Li.
Per glorioſam reſurrectiōe tuā. Li.
Per admirabilē aſcēciōe tuā. Li.
Per graciā ſcī ſpiritus paracliti. Li.
In hora mortis ſuccurre nob dne
In die iudicii. Li.
Peccatores te rogamus audi nos
Ut pacem nobis dones. Te r.
Ut miſericordia ꝛ pietas tua



nos custodiat te rogamus et a(udi nos).
Ut ecclesiam tuam regere et
defensare digneris. Te
Ut omnibus benefactoribus nostris
sempiterna bona retribuas. Te
Ut omnibus fidelibus vivis ac
defunctis requiem eternam dones. Te
Ut nos exaudire digneris. Te
Fili dei. iii. Te
Agnus dei qui tollis peccata mundi
parce nobis domine
Agnus dei qui tollis peccata
mundi exaudi nos domine.
Agnus dei qui tollis peccata
mundi miserere nobis.
Christe audi audi nos
Kyrieleyson.
Christeleyson
Kyrieleyson.
Pater noster.
Et ne nos inducas in t(emptationem).
Sed libera nos a malo. Ps(almus)
Et veniat super nos misericordia tua
domine. V. Salutare tuum se
cundum eloquium tuum. Domine

vocem orationis mee.
Quia inclinavit aurem suam michi: et in diebus meis invocabo.
Circumdederunt me dolores mortis: et pericula inferni invenerunt me.
Tribulationem et dolorem inveni: et nomen domini invocavi.
O domine libera animam meam: misericors dominus et iustus: et deus noster miseretur.
Custodiens parvulos dominus: humiliatus sum et liberavit me.
Convertere anima mea in requiem tuam: quia dominus benefecit tibi.
Quia eripuit animam meam de morte: oculos meos a lacrimis: pedes meos a lapsu.
Placebo domino in regione vivorum. Antiphona. Placebo domino in regione vivorum.
Antiphona. Heu michi quia incolatus meus prolongatus est. Ps. Ad dominum cum tribularer. Antiphona. Dominus custodit te ab omni malo custodiat animam tuam dominus.

Leuaui oculos meos i montes.
Antiphona. Si iniquitates ob
ſeruaueris domine dñe quis ſuſtinebit.
De profundis. An. Opera.
Confitebor tibi domine in
toto corde meo. quoniam
audiſti verba oris mei.
In conſpectu angelorum
pſallam tibi adorabo ad templum
ſanctum tuum et confitebor
nomini tuo.
Super miam tuam et veritate
tua. quoniam magnificaſti
ſuper omne nomen ſanctum tuum
In quacumque die inuocauero
te exaudi me multiplicabis
in anima mea virtutem.
Confiteantur tibi domine
omnes reges terre. quia audie
runt verba oris tui.
Et cantent in viis domini
quoniam magna eſt gloria domini
Quoniam excelſus dominus et hu
milia reſpicit et alta a longe cognoſcit
Si ambulauero in medio tribulacionis

Viuificabis me et ſuper iram
inimicorum meorum extendi
ſti manum tuam et ſaluum
me fecit dextera tua.
Dominus retribuet pro me
domine mīā tua in ſeculum
opa manuū tuarū ne deſpicias.
Antiphona. Opera manuum
tuarum domine ne deſpicias. A.
Audiui vocem de celo dicentem.
beati mortui qui in dnō moriūt.
Magnificat aīa mea dnm
Kyrieleyſon. in
Chriſteleyſon. in
Kyrieleyſon. in
Pater nr̄. Non dicitur. Et
ne nos. Sed dicitur pſalmus.
Lauda anima mea dnm
laudabo dominum ī vita
mea pſallā deo meo q̄diu fuero.
Nolite confidere in principibz
nec in filiis hominum. in qui
bus non eſt ſalus.
Exibit ſpiritus eius et reuer
tetur in terram ſuam ī illa die



peribunt omnes cogitationes eorum
Beatus cuius deus iacob ad
iutor eius spes eius in domino deo
ipsius qui fecit celum et terram
mare et omnia que in eis sunt.
Qui custodit veritatem in secu
lum facit iudicium iniuriam pacienti
bus dat escam esurientibus
Dominus solvit compeditos.
dominus illuminat cecos.
Dominus erigit elisos dominus
diligit iustos.
Dominus custodit advenas
pupillum et viduam suscipiet
et vias peccatorum disperdet.
Regnabit dominus in secu
la deus tuus syon in generatio
ne et generationem.
Requiem eternam dona eis
domine. Et lux perpetua luceat eis.
Requiescant in pace. Amen.
Domine exaudi.
Et clamor. Oremus. Oratio
Inclina domine aurem
tuam ad preces nostras

quibꝫ miām tuam ſupplices depre
camur: ut animas famulorum
famularumqꝫ tuarum quas de
hoc ſeculo migrare iuſſiſti in pacis
ac lucis regione conſtituas et ſancto
rum tuorum iubeas eſſe conſortes
Per dominum noſtrum. ꝛc.
Ad matutinas. Antiphona.
Dirige domine deus meus in con
ſpectu tuo viam meam. Pſalmus
Verba mea auribꝫ percipe dñe
Antiphona. Conuertere domine et eri
pe animam meam quoniam non
eſt in morte qui memor ſit tui. Pſ
Domine ne in furore tuo ꝛc.
Antiphona. Nequando. Pſalm.
Domine deus meus in te ſpe
raui ſaluum me fac ex omibꝫ
pſequentibꝫ me ⁊ libera me.
Nequando rapiat ut leo ani
mam meam dum non eſt qui
redimat neqꝫ q̄ ſaluū faciat.
Domine deus meus ſi feci iſt
ſi eſt iniquitas ī manibꝫ meis
Si reddidi retribuentibꝫ michi

in mala decidam merito ab inimi
cis meis inanis
Persequatur inimicus animam
meam comprehendat et concul
cet in terra vitam meam et glori
ā meā in pulverem deducat.
Exurge domine in ira tua et
exaltare i finibz inimicoz meoz
Et exurge domine deus meus
in precepto quod mandasti et
synagoga pplorū circumdabit te.
Et ppter hanc i altum regrede
dominus iudicat populos.
Iudica me domine secundū
iusticiam meam et secundum
innocentiā meā super me.
Consumetur nequitia pecca
torum et diriges iustum scrutās
corda z renes deus.
Iustum adiutorium a domino
qui salvos facit rectos corde.
Deus iudex iustus fortis et
paciens numquid irascitur
per singulos dies.
Nisi conversi fueritis gladi

um suum vibravit arcum suum te-
tendit et paravit illum.
Et in eo paravit vasa mortis
sagittas suas ardentibus effecit.
Ecce parturiit iniusticiam conce-
pit dolorem et peperit iniquitatem.
Lacum aperuit et effodit eum
et incidit in foveam quam fecit.
Convertetur dolor eius in ca-
put eius. et in verticem ipsius
iniquitas eius eius descendet.
Confitebor domino secundum
iusticiam eius et psallam nomi-
ni domini altissimi. Antipho.
Nequando rapiat ut leo animam
meam dum non est qui redimat.
neque qui salvum faciat. Versus.
Ne tradas bestiis animas confiten-
tes tibi. Responsorium. Et animas
pauperum tuorum ne obliviscaris
in finem. Pater noster. Et ne nos.
Sed libera etc. Lectio prima.
Parce michi domine ni-
chil enim sunt dies mei
Quid est homo quia magnificas



eum. Aut quid appones erga eum
cor tuum. Visitas eum dilucu
lo et subito probas illum. Usquequo
non parcis michi nec dimittis
me ut glutiam salivam meam.
Peccavi. Quid faciam tibi o custos
hominum. Quare posuisti me
contrarium tibi. Et factus sum
michimet ipsi gravis. Cur non
tollis peccatum meum. et quare
non auferes iniquitatem meam.
Ecce nunc in pulvere dormio. Et
si mane me quesieris non subsistam.
Responsorium. Credo quod redemptor
meus vivit et in novissimo die de terra
surrecturus sum et in carne mea vi
debo deum salvatorem meum. Versus.
Quem visurus sum ego ipse et non
alius et oculi mei conspecturi sunt. Et
in carne mea. Lectio secunda.
Tedet animam meam vite
mee. Dimittam adversum
me eloquium meum. Loquar in
amaritudine anime mee. Dicam
deo. Noli me condempnare. Indica

Parasti in conspectu meo mensam
adversus eos qui tribulant me.
Impinguasti in oleo caput
meum et calix meus inebrians
quam preclarus est.
Et ut inhabitem in domo domini
in longitudinem dierum. Anti.
In loco pascue ibi me collocavit. A.
Delicta. Psalmus.
Ad te domine levavi
animam meam deus me-
us in te confido non erubescam.
Neque irrideant me inimici
mei etenim universi qui susti-
nent te non confundentur.
Confundantur omnes iniqua
agentes supervacue.
Vias tuas domine demonstra
michi. et semitas tuas edoce me.
Dirige me in veritate tua et doce
me. quia tu es deus salvator me-
us et te sustinui tota die.
Reminiscere miseracionum
tuarum domine et misericordia-
rum tuarum que a seculo sunt.

Delicta iuventutis mee et igno
rantias meas ne memineris.
Secundum misericordiam tuam memento
mei tu propter bonitatem tuam domine.
Dulcis et rectus dominus propter hoc
legem dabit delinquentibus in via.
Diriget mansuetos in iudicio
docebit mites vias suas.
Universe vie domini misericordia et
veritas requirentibus testamentum
eius et testimonia eius.
Propter nomen tuum domi
ne propiciaberis peccato meo.
multum est enim.
Quis est homo qui timet
dominum legem statuit ei in via
quam elegit.
Anima eius in bonis demorabitur
et semen eius hereditabit terram.
Firmamentum est dominus
timentibus eum et testamentum
ipsius ut manifestetur illis.
Oculi mei semper ad dominum
quoniam ipse evellet de laqueo pedes meos.
Respice in me et miserere mei quia

unicus et pauper sum ego.
Tribulationes cordis mei mul-
tiplicate sunt. de necessitatibus
meis erue me.
Vide humilitatem meam et
laborem meum et dimitte uni-
uersa delicta mea.
Respice inimicos meos qui
multiplicati sunt: et odio iniquo oderunt me.
Custodi animam meam et erue me
non erubescam quoniam speraui in te.
Innocentes et recti adheserunt
michi. quia sustinui te.
Libera deus israel ex omnibus
tribulationibus suis. Antiphona.
Delicta iuuentutis mee et ignoran-
tias meas ne memineris domine.
Antiphona. Credo videre. Psalmus.
Dominus illuminatio mea et
salus mea quem timebo.
Dominus protector vite mee
a quo trepidabo.
Dum appropiant super me no-
centes ut edant carnes meas.
Si consistant aduersum me cast-



non timebit cor meum
Si exurgat adūsum me p̄lium
in hoc ego sperabo.
Unam petii a domino hanc re
quiram ut inhabitem in domo dn̄i
omnibz diebz vite mee.
Ut videam voluptatem domini
et visitem templum eius.
Quoniam abscondit me ī taber
naculo suo in die malorum pro
texit me ī abscondito tab'naculi su
In petra exaltavit me et nunc
exaltavit caput meum super
inimicos meos.
Circuivi z immolavi ī taber
naculo eius hostiam vociferatōis
cantabo z psalmum dicā domino.
Exaudi domine vocem meam me
q̄ clamavi ad te miserere mei z exaudi
Tibi dixit cor meum exquisivit
te facies mea. faciē tuā dn̄e requirā
Ne avertas faciem tuā a me.
ne declines in ira a servo tuo.
Adiutor meus esto domine ne
derelinquas me neqz despicias me.

deus salutaris meus.
Quoniam pater meus et mater mea dereliquerunt
me. dominus autem assumpsit me.
Legem pone michi domine in
via tua. et dirige me in semita
recta propter inimicos meos.
Ne tradideris me in animas
tribulantium me. quoniam insur
rexerunt in me testes iniqui et menti
ta est iniquitas sibi.
Credo videre bona domini in
terra viventium.
Expecta dominum viriliter
age et confortetur cor tuum et
sustine dominum. Antiphona.
Credo videre bona domini in terra
viventium. Versus. In memoria
eterna erunt iusti. Responsorium.
Ab auditione mala non timebunt.
Pater noster. Lectio quarta.
Quantas habeo iniquita
tes et peccata scelera mea
atque delicta ostende michi. Cur
faciem tuam abscondis et arbi
traris me inimicum tuum. Contra



folium quod vento rapitur oſtendis
potentiam tuam et ſtipulam ſiccam
perſequeris. Scribis enim contra
me amaritudines et conſumere
me vis peccatis adoleſcentie mee.
Poſuiſti in nervo pedem meum.
et obſervaſti omnes ſemitas meas
et veſtigia pedum meorum conſide
raſti. Qui quaſi putredo conſumen
dus ſum et quaſi veſtimentum
quod comeditur a tinea. Reſponſ.
Heu michi domine quia peccavi nimis
in vita mea quid faciam miſer ubi fu
giam niſi ad te deus meus miſerere
mei. Dum veneris in noviſſimo die.
Vſ. Anima mea turbata eſt valde
ſed tu domine ſuccurre ei. Dum. Lectio
Homo natus de muliere bre
vi vivens tempore repletur
multis miſeriis. Qui quaſi flos
egreditur et conteritur et fugit ve
lut umbra. Et numquam in eodem
ſtatu permanet. Et dignum ducis
ſuper huiuſcemodi aperire oculos
tuos. Et adducere eum tecum in iudicium

Quis potest facere mundum de
immundo conceptum semine.
Nonne tu qui solus es. Breves
dies hominis sunt. Numerus men
sium eius apud te est. Constituisti
terminos eius qui preteriri non pote
runt. Recede paululum ab eo ut
quiescat donec optata veniat. Et
sicut mercenarii dies eius. R.
Ne recorderis peccata mea domine dum
veneris iudicare seculum per ignem.
V. Dirige domine deus meus in
conspectu tuo viam meam. Dum ve.
Quis michi hoc tribuat ut i
inferno protegas me et ab
scondas me donec pertranseat furor
tuus. Et constituas michi tempus
in quo recorderis mei. Putas ne
mortuus homo rursum vivat. Cun
ctis diebus quibus nunc milito expecto
donec veniat immutatio mea.
Vocabis me et ego respondebo tibi.
Operi manuum tuarum porri
ges dexteram. Tu quidem gressus
meos dinumerasti sed parce peccatis





meis. R. Libera me domine de vijs in
ferni. Qui portas ereas confregisti et
visitasti infernum et dedisti eis lumen
Ut viderent te qui erant in penis tene
brarum. V. Clamantes et dicentes
advenisti redemptor noster. Qui portas.
Complaceat. Psalmus.
Expectans expectavi domi
num et intendit michi.
Et exaudivit preces meas et edu
xit me de lacu miserie. et de luto fecis.
Et statuit supra petram pedes meos
et direxit gressus meos.
Et immisit in os meum canticum
novum carmen deo nostro.
Videbunt multi et timebunt
et sperabunt in domino.
Beatus vir cuius est nomen do
mini spes eius et non respexit in
vanitates et insanias falsas.
Multa fecisti tu domine deus meus
mirabilia tua et cogitationibus tuis
non est qui similis sit tibi.
Annunciavi et locutus sum
multiplicati sunt super numerum

Sacrificium et oblationē noluisti
aures autem perfecisti michi.
Holocaustum et pro peccato non
postulasti tūc dixi ecce venio.
In capite libri scriptum est de
me facerē voluntatem tuam deus
meus volui. et legem tuam in
medio cordis mei.
Annunciavi iusticiam tuam
tuam in ecclesia magna. ecce labia
mea nō phibebo domine tu scisti.
Iusticiam tuam non abscondi
in corde meo. veritatem tuam et
salutare tuum dixi.
Non abscondi miam tuam et
veritatē tuā a consilio multo.
Tu autem domine ne longe fa
cias miserationes tuas a me. mi
sericordia tua et veritas tua semp
susceperunt me.
Quoniam circumdederunt me
mala quorum non est numerus
comprehenderunt me iniquitates
mee. z non potui ut viderem
Multiplicate sunt super capillos

capitis mei z cor meum dereliquit me.
Complaceat tibi domine ut
eruas me domine ad adiuuandum
me reſpice.
Confundantur et reuereantur
qui querunt animam meam ut
auferant eam.
Conuertantur retrorſum z
erubeſcant qui volunt michi mala.
Ferant confeſtim confuſionem ſuam
qui dicunt michi euge euge.
Exultent et letentur ſuper te om-
nes qui querunt te z dicant ſemper magni-
ficetur dominus qui diligunt ſalutare tuum.
Ego autem mendicus ſum z pau-
per. dominus ſollicitus eſt mei.
Adiutor meus et protector meus
tu es deus meus ne tardaueris.
Antiphona. Complaceat tibi domine
ad adiuuandum me reſpice. Ant.
Sana domine. Pſalmus.
Beatus qui intelligit ſuper
egenum et pauperem in die mala
liberabit eum dominus.
Dominus conſeruet eum et

viuificet eum. et beatum faciat eum
in terra. et non tradat eum in ani
mam inimicorum eius.
Dominus opem ferat illi super
lectum doloris eius. Uniuersum stra
tum eius uersasti in infirmitate eius.
Ego autem dixi domine miserere mei
sana animam meam quia peccaui tibi.
Inimici mei dixerunt mala mi
chi quando morietur et peribit nomen eius.
Et si ingrediebatur ut uideret
uana loquebatur cor eius congre
gabit iniquitatem sibi.
Egrediebatur foras et loqueba
tur in idipsum.
Aduersum me susurrabant omnes
inimici mei. aduersum me cogi
tabant mala michi
Uerbum iniquum constituerunt
aduersum me. numquid qui dormit non
adiciet ut resurgat.
Etenim homo pacis mee in quo
speraui qui edebat panes meos.
magnificauit super me supplantationem
Tu autem domine miserere mei





et reſuſcita me et retribuam eis.
In hoc cognoui quoniam vo
luiſti me. quoniam non gaude
bit inimicus meus ſuper me.
Me autem propter innocenti
am ſuſcepiſti et confirmaſti in
conſpectu tuo in eternum.
Benedictus dominus deus iſrl
a ſeculo et in ſeculum. fiat fiat.
Antiphona. Sana domine ani
mam meam quia peccaui tibi
Sitiuit. Pſalmus.
Quemadmodum deſide
rat ceruus ad fontes aquarum
ita deſiderat aīa mea ad te deus.
Sitiuit anima mea ad deum
fontem viuum quando veniam
et apparebo ante faciem dei.
Fuerunt michi lacrime mee
panes die ac nocte dum dicitur m
quotidie ubi eſt deus tuus.
Hec recordatus ſum et effudi
in me animam meam quoniā
tranſibo in locum tabernaculi ad
mirabilis vſqȝ ad domum dei.

In voce exultationis et confes
sionis. sonus epulantis.
Quare tristis es anima mea
et quare conturbas me.
Spera in deo quoniam adhuc
confitebor illi. salutare vultus
mei et deus meus.
Ad meipsum anima mea con
turbata est. propterea memor ero
tui de terra iordanis et hermoniim
a monte modico.
Abyssus. abyssũ invocat in voce
cathractarum tuarum.
Omnia excelsa tua et fluctus
tui super me transierunt.
In die mandavit dominus mi
sericordiã suã. et nocte canticũ eius
Apud me oratio deo vite mee.
dicã deo susceptor meus es.
Quare oblitus es mei. et quare co
tristatus incedo. dum affligit
me inimicus.
Dum confringuntur ossa mea
exprobraverunt michi qui tri
bulant me inimici mei





Dum dicunt michi per ſingulos
dies ubi eſt deus tuus.
Quare triſtis es anima mea. et
quare conturbas me.
Spera in deo quoniam adhuc
confitebor illi ſalutare vultus mei
et deus meus. Antiphona. Si-
tivit anima mea ad deum vivū
quando veniam et apparebo an
te faciem domini. ℣. A porta
inferi. ℟. Erue domine animas
eorum. Pater noſter. Lectio viiᵃ.
Spiritus meus attenua
bitur. dies mei breviabuntur
et ſolum michi ſupereſt ſepulcrū
Non peccavi. Et in amaritudinibus
moratur oculus meus. Libera
me domine et pone me iuxta te
et cuiuſvis manus pugnet con
tra me. Dies mei tranſierunt
cogitationes mee diſſipate ſunt
torquentes cor meum. Noctem
verterunt in diem et rurſum poſt
tenebras ſpero lucem. Si ſuſti
nuero infernus domus mea eſt.

et in tenebris ſtravi lectulum meu
putredini dixi pater meus es mat
mea et ſoror mea vermibus. Ubi eſt
ergo nunc preſtolatio mea et pa
tientia mea. tu es domine deus me
R. Peccantem me quotidie et no
penitentem timor mortis contur
bat me. Quia in inferno nulla eſt
redemptio miserere mei deus et ſalva
me. V. Deus in nomine tuo ſalvum
me fac et in virtute tua libera me. Quia
Pelli mee conſumptis carni
bus adheſit os meum et dere
licta ſunt tantummodo labia circa
dentes meos. Miſeremini mei. mi
ſeremini mei ſaltem vos amici mei
Quia manus domini tetigit me
Quare perſequimini me ſicut deus
et carnibus meis ſaturamini. Quis
michi tribuat ut ſcribantur ſermo
nes mei. Quis michi det ut exa
rentur in libro ſtilo ferreo aut plu
bi lamina vel certe ſculpantur in
ſilice. Scio enim quod redemptor me
vivit et in noviſſimo die de terra



surrecturus sum et rursum circumda
bor pelle mea. et in carne mea uidebo
deum. Quem uisurus sum ego ipse
et non alius. Reposita est hec spes
mea in sinu meo. V. Requiem eter
nam dona eis domine. Et lux perpe
tua luceat eis. V. Qui lazarum re
suscitasti a monumento fetidum tu
eis domine dona requiem. Et lux. V.
Quare de uulua eduxisti me
qui utinam consumptus
essem ne oculus me uideret. Fuisse
quasi non de utero translatus ad
tumulum. Numquid non paucitas
dierum meorum finietur breui.
Dimitte ergo me domine ut plan
gam paululum dolorem meum.
antequam uadam et non reuertar ad
terram tenebrosam et opertam mor
tis caligine. Terram miserie et
tenebrarum ubi umbra mortis
et nullus ordo. sed sempiternus
horror inhabitans. Responsorium
Libera me domine de morte eterna
in die illa tremenda. Quando celi

mouendi ſunt et terra. Dum veneris
iudicare ſeculum per ignem. Vſu e.
Dies illa dies ire. calamitatis et mi
ſerie dies magna et amara valde. Quā
do celi. Vſ. Quid ergo miſerrimus quid
dicam vel quid faciam dum nil boni
perferam ante tantum iudicem. Dū
veneris ꝛc. Vſ. Plangent ſe ſuper ſe
omnes tribꝫ terre. Vir iuſtus ſaluabi
et ego miſer ubi parebo. Dum veneris
Requiem eternam dona eis domine.
et lux perpetua luceat eis. Libera me
domine. In laudibꝫ Antiphona
Exultabunt dnō. oſſa humiliata. ps
Miſerere mei deus. A. Exaudi. ps
Te decet hymnus deus i ſyō
et t' reddetur votū i ihrlm.
Exaudi orationem meam ad te
omnis caro veniet
Verba iniquorum preualuerunt
ſuper nos ꝛ impietatibus noſtris
tu propitiaberis.
Beatus quem elegiſti et aſſū
pſiſti inhabitabit in atriis tuis
Replebimur in bonis domus

ſanctum eſt templum tuum: mirabile in equitate.
Exaudi nos deus ſalutaris noſter ſpes omnium finium terre. et in mari longe.
Preparans montes in virtute tua accinctus potentia qui conturbas profundum maris. ſonum fluctuum eius.
Turbabuntur gentes ⁊ timebunt qui habitant terminos a ſignis tuis exitus matutini ⁊ veſpere delectabis.
Viſitaſti terram et inebriaſti eam. multiplicaſti locupletare eam.
Riuos eius inebrians multiplica genimina eius. in ſtillicidiis eius lætabitur germinans.
Benedices corone anni benignitatis tue ⁊ campi tui replebuntur ubertate.
Pingueſcent ſpecioſa deſerti. et exultatione colles accingentur.
Induti ſunt arietes ouium et valles abundabunt frumento clamabunt ⁊ enim hymnum dicent.
Exaudi domine orationem meam

ad te omnis caro veniet. ℟. Me ſuſcepit.
dextera tua domine. Pſalmus.
Deus deus meus. ℣. Canti. pe.



Ego dixi in dimidio dierum meo-
rum. vadam ad portas inferi.
Queſiui reſiduum annorum meo-
rum dixi non videbo dominum
in terra viuentium.
Non aſpiciam hominem vltra
et habitatorem quietis.
Generatio mea ablata eſt et conuo-
luta eſt a me q̄ſi tabernaculū paſtoꝝ.
Preciſa eſt velut a texente vita
mea dū adhuc ordirer ſuccidit me.
De mane uſq; ad veſperam fi-
nies me. ſperabam uſq; ad mane
q̄ſi leo. ſic contriuit omnia oſſa mea.
De mane vſq; ad veſperam finies
me. ſicut pullus hyrundinis ſic
clamabo meditabor ut columba.
Attenuati ſunt oculi mei. ſuſ-
picientes in excelſo.
Domine vim patior reſponde
pro me. quid dicā aut quid reſpō-
debit michi cū ipſe fecerim.



Recogitabo tibi omnes annos me
os. ĩ amaritudine anime mee.
Domine ſi ſic viuitur et in ta
libꝫ vita ſpiritus mei corripice
me ꝛ viuificabis me. ecce in pace.
amaritudo mea amariſſima.
Tu autem eruiſti animam
meam ut non periret proieciſti
poſt tergũ tuũ omnia pccã mea.
Quia non infernus confitebitur
tibi neqꝫ mors laudabit te. non
expectabunt qui deſcendunt in la
cum veritatem tuam
Domine ſaluum me fac et
pſalmos nr̃os cantabimus cunc
tis diebꝫ vite nr̃e ĩ domo domini.
Antiphona. Eruiſti animã mea
ut non periret. Antiphona. Omne
ſpiritus laudet dominum. pſalmꝰ
Laudate dominum de celis.
Ego ſum reſurrectio et vita qui credit
in me etiam ſi mortuus fuerit viuet
et omnis qui viuit ꝛ credit in me.
non morietur in eternum. pſalmꝰ
Benedictus dominus ꝛc.

Kyrieleyſon. iii.
Christeleyſon. iii.
Kyrieleyſon. iii.
Pater noſter.
De profundis clamaui &c.
Requiem eternam
Et lux perpetua &c.
Requieſcant in pace.
Domine exaudi
Et clamor. Oremus

Inclina domine aurē tua
tuam ad preces nr̃as q̃bz
mīam tuam supplices deprecamur
ut animas famulorum famula
rumqȝ tuarum quas de hoc ſeculo
migrare iuſſiſti. in pacis ac lucis
regione conſtituas & ſanctorum tuo
rum iubeas eſſe conſortes. Per.

Deus qui nobis patrem et
matrem honorare precepiſti
miſerere clementer animabus
patris et matris mee. eorumqȝ pec
cata dimitte. meqȝ cum illis i eterne
claritatis gaudio fac uiuere. Qui
cum patre &c.

Deus venie largitor et huma
ne salutis auctor. queſumus
clementiam tuam ut noſtre con
gregationis fratres ſorores parentes
amicos ⁊ benefactores noſtros. qui
ex hoc ſeculo tranſierunt. beata maria
ſemper virgine intercedente cum
omnibus ſanctis ad perpetue beati
tudinis conſortium pervenire concedas.
Miſerere queſumus domine
animabus omnium bene
factorum noſtrorum defunctorum
et pro beneficiis que nobis largiti
ſunt in terris premia eterna con
ſequantur in celis. Oracio.
Fidelium deus omnium con
ditor et redemptor animabus famu
lorum famularumque tuarum re
miſſionem cunctorum tribue pec
catorum ut indulgentiam quam
ſemper optaverunt piis ſupplica
tionibus conſequantur. Qui ven
turus es iudicare vivos ⁊ mortuos
et ſeculum per ignem. Amen.
Pro defunctis. Antiphona.

Atque omnes anime fideles. quarum
corpora hic et ubique requieſcunt in
puluere. dominus ihesus chriſtus re-
qui vos redemit ſuo precioſiſſimo ſan
guine dignetur vos a penis liberare et
inter choros ſanctorum ſuorum angelo
rum collocare ibique nostri memores ſuppli
citer exorare ⁊ vobis aſſociemur et vo
biſcum in celis coronemur. Nō itare
Non intres in iudicium cum aiabz
ſeruorum tuorum. Reſponſorium.
Quoniam non iuſtificabitur in co
ſpectu tuo omnis viuens. Ore. Oratio
Domine ihū chriſte. ſalus et li
beratio fidelium aīarum.
qui non veniſti animas perdere ſz
ſaluare et dare animam tuam in
redemptionem pro multis immen
ſam clementiam tuam ac ineffa
bilem miām tuam humiliter iplo
ramus ut animas omnium fide
lium defunctorum in penis purga
torii cruciatas. miſericorditer reſ
picere digneris et que iuſte pro pec
catis affligantur tua benignitaſ ſua





pietate liberemur. ſubueniatqꝫ illis
tua mia. et per merita beatiſſime
glorioſiſſimeqꝫ uirginis marie.
et omnium ſanctorum, ꝛ ſcam
liberare eas ab inferorum crucia
tibꝫ et collocare inter agmina ſco
rum digneris. Veſte quoqꝫ immor
talitatis indui. et paradiſi ame
nitate confoueri iubeas. Qui tecū

*Senſuit le ſymbole de ſait athanaiſe.*

Quicumqꝫ uult ſaluus eſſe
ante omnia opus eſt ut
teneat catholicam fidem. Quam ni
ſi quiſqꝫ integram inuiolatamqꝫ
ſeruauerit. abſqꝫ dubio in eternum
peribit. Fides autem catholica hec
eſt ut unum deum in trinitate et
trinitatem in unitate ueneremur.
Neqꝫ confundentes perſonas.
neqꝫ ſubſtantiam ſeparantes.
Alia eſt enim perſona patris.
alia filii. alia ſpiritus ſancti. Sed
patris ꝛ filii et ſpiritus ſancti una
eſt diuinitas equalis gloria coe
terna maieſtas. Qualis pater.

talis filius. talis spiritus sanctus.
Increatus pater increatus
filius increatus spiritus sanctus
Immensus pater immensus
filius. immensus spiritus sanctus
Eternus pater eternus filius.
eternus spiritus sanctus. Et ta
men non tres eterni sed unus eter
nus. Sicut non tres increati nec
tres immensi sed unus increatus
et unus immensus. Similiter
omnipotens pater omnipotens
filius. omnipotens spiritus sanctus
Et tamen non tres omnipotentes
sed unus omnipotens. Ita deus
pater. deus filius. deus spiritus sanctus
Et tamen non dii sed unus est deus
Ita dominus pater. dominus
filius. dominus spiritus sanctus
Et tamen non tres domini. sed
unus est dominus. Quia sicut
singillatim unamquamque perso
nam deum aut dominum confiteri
christiana veritate compellimur
ita tres deos aut dominos dicere ca





tholica religione prohibemur. Pr
a nullo est factus nec creatus nec
genitus. Filius a patre solo est.
non factus nec creatus sed genitus.
Spiritus sanctus a patre et fi-
lio. non factus nec creatus nec
genitus sed procedens. Unus
ergo pater non tres patres. Unus
filius non tres filii. Unus spiritus
sanctus non tres spiritus sancti
Et in hac trinitate nichil prius
aut posterius nichil maius aut
minus. sed tote tres persone coeterne
sibi sunt et coequales. Ita ut per
omnia sicut iam supradictum est
et unitas in trinitate et trinitas
in unitate veneranda sit. Qui
vult ergo salvus esse. ita de trini-
tate sentiat. Sed necessarium
est ad eternam salutem ut incar-
nationem quoque dominum nostri
ihesu christi unusquisque fideliter
credat. Est ergo fides recta ut cre-
damus et confiteamur quia dominus
noster ihesus christus dei filius deus et.

homo eſt. Deus eſt ex ſubſtantia
patris ante ſecula genitus. et ho
mo eſt ex ſubſtantia matris in ſe
culo natus. Perfectus deus perfec
tus homo ex anima rationali et
humana carne ſubſiſtens. Eq̃
lis patri ſecundum diuinitatem
minor p̄re ſecundum humanita
tem. Qui licet deus ſit et homo.
non duo tamen. ſ; unus eſt xp̄c.
Unus autem non conuerſione
diuinitatis in carnem. ſ; aſſum
ptione diuinitatis in deum. Un
omnino non confuſione ſubſtã
tie. ſ; unitate perſone. Nam ſic
anima rationalis et caro unus
eſt homo. ita deus z homo unus
eſt chriſtus. Qui paſſus eſt pro
ſalute nr̃a. deſcendit ad inferos
tercia die reſurrexit a mortuis.
Ad cuius aduentum omnes ho
mines reſurgere habent cum cor
poribz ſuis et reddituri ſunt de fac
tis propriis rationem. Et qui bo
na egerunt ibunt ĩ uitã eternam

qui vero mala in ignem eternum.
Hec eſt fides catholica quam niſi
quiſq; fideliter firmiterq; crediderit
ſaluus eſſe non poterit. Gloria pri

Oraiſon a dieu le pere treſdeuote.

Mon benoiſt dieu ie croy et
confeſſe de cueur et de bou
che. tout ce que ſaincte egliſe croit
et tient de vous et que ung bon catho
licque doit de vous ſentir et croire.
et proteſte cy deuant voſtre treſno
ble ꝛ precieuſe facture. que ie vueil
viure et mourir en ceſte foy. et y
perſeuerer toute ma vie et vous
recongnois mon dieu mon pere et
createur de tout le monde. et moy vre
pouure creature ſubiecte et ſeruante
vous fais la foy ꝛ hommaige que
ie tien de vous noblement comme
de vous mon ſeigneur ſouuerain
lame et le corps et tous les biens
naturelz. ſpirituelz corporelz et
temporelz que iay et que oncques ieuz
et que ie attens a auoir. en ce mō
de et en lautre. et de bon cueur vo⁹

en reuerence loue et regracie tant a
lame pour moy que pour mes pre
mes qui ſont et oncques furent
et qui iamais ſeront en ciel et en
terre. Et en ſigne de recongnoiſſa
ce vous paie vng petit tribut au
matin et au ſoir; ceſt que ie vous
adore de cueur et de bouche en foy et
eſperance et charite ſelon mō poure
entendement; et de ceſte petite orai
ſon qui tant ſeulement appartiet
a voſtre benoiſte maieſte ſeigneurie
et diuinite. et vous requiers trois
choſes. La premiere eſt miſericor
de. de tant de maulx et villanie pe
chez que iay fais ⁊ commis le tēps
paſſe contre voſtre benigne voulente.
La ſeconde eſt que vous me donnez
grace que ie puiſſe ſeruir et obeir
a voz commandemens ſans peche
mortel encourir. La tierce ſi eſt
que au tres terrible ⁊ eſpouentable
pas de la mort et a mon grant beſoing
me vueillez ſecourir et donner grace
que ie puiſſe mourir en voſtre ſaincte

foy et loy, et parvenir a vre ſaincte
gloire ⁊ ineſtimable beatitude qui
dure ſans fin avec tous ſes ſains
et ſainctes de paradis. Amen. pr̃.

Sen ſuit une autre oraiſon . nõme
ſeneque creſtien et ſe dit par maniere
de proteſtation.

Sire dieu tout puiſſant tout
ſcavant toutes choſes congnoiſſãt
ſapience de tout. ie povre pecheur
fais aujourduy en deſpit de lennemi
my proteſtation que ſe daventure
par aucune temptation. illuſion
deception ou variation venant par
douleur de maladie ou par aucune
foibleſſe de corps ou par quelque oc
caſion que ce ſoit ie croye ou declinoye.
en petit de mon ame et preiudice de
mon ſalut ou encontre de la ſaincte
foy catholicque en laquelle ie ſuis
regenere ſur les fons de baptesme.
Que au bon ſens . auquel me tiens
maintenant par divine grace dont
durant mon cueur vous remercie
ie reſte contraire a mon vouloir reſiſte

et renonce et men confeſſe et proteſ
tant que ie vueil viure & mourir en
la foy de ſaincte egliſe nr̄e mere et
vraye eſpouſe. Et en teſmoing de ceſte
confeſſion et proteſtation et en deſpit
de lennemy denfer ie vous offre le credo
ou toute verite ſe contient. Et vous
recommande mon ame ma foy
ma vie & ma mort. Amen. Credo
in deum patrem omnipotentē etc.
Dites par ſept fois. La patenoſtre
Et aue maria. Auec les ſept orai
ſons qui enſuiuent.
Domine ihū chriſte adoro te
in cruce pendentem coronam ſpineam
in capite portantem deprecor te ut tua
crux liberet me ab angelo percutiente
Pater noſter. Aue maria.
Domine ihū chriſte adoro te
in cruce vulneratum. felle et
aceto potatum. Deprecor te ut vul
nera tua. ſint remedium anime mee
Pater noſter. Aue maria.
Domine ihū chriſte deprecor te
propter illam amaritudinem



quam pro me miſerrimo ſuſtinui
ſti in cruce maxime quando no
biliſſima anima tua egreſſa eſt
de corpore tuo. miſerere anime
mee in egreſſu ſuo. Pr nr. Aue.
Domine ihu chriſte adoro te
in ſepulchro poſitum. mir
ra et aromatibꝫ conditum. Depre
cor te ut mors tua ſit uita mea
Pater noſter. Aue maria.
Domine ihu chriſte adoro
te deſcendentem ad inferos
liberantemqꝫ captiuos. Deprecor te
ne permittas me illuc introire
Pater noſter. Aue maria.
Domine ihu chriſte adoro
te reſurgentem a mortuis
et ad celos aſcendentem ſedentemqꝫ
ad dexteram dei patris. Deprecor te
miſerere mei. Pr noſter. Aue.
Domine ihu chriſte paſtor
bone iuſtos conſerua.
peccatores iuſtifica et omnibꝫ
fidelibꝫ defunctis miſerere. et pro
picius eſto michi peccatori Aue

Pater noſter. Aue maria

Pro defunctis oratio.

Piiſſime ihesu chriſte. qui pa-
tris matris parentum benefac-
torumque meorum animas tua
paſſione redemiſti eas. tua
miſericordia ſanctorum et ſac-
ratum interceſſione eccleſie chri-
ſtiane ſuffragiis a penis liberare
ac beate dignetur per patrem
matrem parentes amicoſque
tuos deuotiſſime oro.

Ad angelum proprium orato

Angele mi diuina proui-
dentia cuſtos ſupplex te
obſecro preces meas ne quibus
ſuum perferre. Eas ſanctis emu-
ditas animas gratas effice. Me diri-
ge uiua deffende.

Senſuiuent pluſieurs deuotes
louenges petitions oraiſons et re-
queſtes qui a toute perſonne ayant
entendement ſont neceſſaires a
dire a nostre ſeigneur ihesucriſt premie-
rement tu diras au matin quant.

tu te lieueras de ton lit. In matutinis
meditabor in te quia fuiſti adiutor meus.
Gratias ago tibi domine om-
nipotens deus qui me in hac nocte
non meis meritis. ſed tua ſancta
miſericordia cuſtodire dignatus
es. concede michi domine die iſtum
in tuo ſancto ſeruicio ita peragere.
ut tibi placeat obſequium ſeruitu-
tis mee. Qui viuis et regnas.
Quant tu yſtras hors de ta mai-
son dy. Vias tuas domine demon-
ſtra michi et ſemitas tuas edoce me
Egreſſus meos dirige ſecundum elo-
quium tuum ut non dominetur
mei omnis iniuſticia. Dirige greſ-
ſus meos in ſemitis tuis ut non
moueantur veſtigia mea. Quant
tu entreras a leglise. dy. Aſper-
ges me domine yſopo et mundabor
lauabis me et ſuper niuem dealba-
bor. Miſerere mei deus ſecundum
magnam miſericordiam tuam. Gloria patri
et filio et ſpiritui ſancto. Sicut erat
in principio et nunc et ſemper. et.

et in ſecula ſeculorum. amen.
Aſperges me domine yſopo &c.
Quant tu ſeras devant le crucifix
Salva nos christe ſalvator per
virtutem ſancte crucis qui ſalva
ſti petrum in mari. miſerere nobis.
℣. Omnis terra adoret te deus
et pſallat tibi. ℟. pſalmum di
Cat nomini tuo. Oremus.
Preſentiam adoramus
et veneramur domine ihesu christe
et per ipſam clementiam tuam
humiliter imploramus ut nobis
peccatoribus miſereri et parcere
digneris qui pro nobis dignatus
es naſci de virgine maria. Per.
Quant le preſtre ſe tourne dy.
Spiritus ſancti gratia illuſtret et
illuminet cor tuum et labia tua
et accipiat dominus hoc ſacrificium
de manibus tuis dignum pro peccatis
et offenſionibus noſtris. A la
elevation du corps nre ſeigneur.
Anima christi ſanctifica me. Cor
pus christi ſalva me paſſio christi

conforta me. Sudor vultus chriſti
Virtuoſiſſimi ſana me. O bone
ihu exaudi me et ne permittas
me ſeparari a te. Ab hoſte mali
gno deffende me. In hora mortis
voca me et pone me iuxta te ut cũ
angelis et ſanctis tuis laudem
te dominum ſaluatorem meum
ĩ ſecula ſeculorum Amen.

*Quant on lieue le calice.*

Aue vere ſanguis domini nri ihu
chriſti. qui de latere eius cum aqua
fluxiſti. tu michi ſis conſilium pro
tectio atqz defencio corporis z aĩe.
in preſenti vita et in futuro ſeculo
per infinita ſeculorum ſecula. A.

Salue ſacta caro dei.
P quã ſalui fiunt rei
Seruos tuos redemiſti
Dum in cruce pependiſti.
Quando mortem occidiſti.
Undique de te manauit.
A peccato nos mundauit.
Quod patrauit primus homo
Inobediens de pomo.

Sancta caro tui mundi.
Sanguis et benigna unda
Lavant me ab omni ſorde.
Et ab infernali morte.
Per tuam benignitatem
Confer michi ſanitatem.
Et ſanctam proſperitatem
Frange meos inimicos
Fac eos michi amicos
Et ſuperbiam illorum
Deſtrue rex angelorum
Tu qui es ſalutis portus
Preſta michi tuum corpus.
In exitu mee mortis.
Libera me deus fortis
A leone rugiente.
Draconeque furiente.
Da michi fidem iuſtorum
In ſecula ſeculorum Amen.
Pape boniface a donne a tous
ceulx et celles qui devotement
diront ceſte oraiſon qui ſenſuit
entre lelevation du corpus domini
et le dernier. Agnus dei. Deux
mille ans de vray pardon.





Domine ihu christe. qui hanc
ſacratiſſimam carnem
et precioſum ſanguinem de glorioſiſ
ſime virginis marie utero aſſumpſi
ſti et eundem ſanguinem de ſacra
tiſſimo latere tuo in ara crucis pro
ſalute nr̄a effudiſti in hac glorioſa
carne a mortuis reſurrexiſti et ad
celos aſcendiſti cum eadem ſacratiſ
ſimo corpore. et iterum venturus
es iudicare vivos et mortuos in ea
dem carne libera nos per hoc ſacra
tiſſimum corpus tuum quod mo
do in altari per manus ſacerdotis
tractatur. ab omnibꝫ immundicijs
mentis et corporis et ab vniuerſis
malis et periculis preſentibꝫ et
futuris. Qui viuis et regnas
deus per omnia ſecula ſeculorum. Amen.
Quant tu prendras la paix. dy.
Da pacem domine in diebꝫ noſtris
quia non eſt alius qui pugnet pro
nobis niſi tu deus noſter. Quant tu
receuras le corps nr̄e ſeigneur.
Domine non ſum dignus.

ut intres ſub tectum meum. ſz tu
domine qui dixiſti. qui manducat
meam carnem et bibit meū ſan
guinem ĩ me manet et ego in eo
pius eſto michi peccatori per
ſumptionem corporis ⁊ ſanguinis
tui et preſta ut non ad iudicium
dampnationis illud ſumã. ſz ma
tua tribuente in ſalutem et remiſſio
nem peccatorum meorum. Qͥ tecū.

Quinta oña recepto ſcõ corpe in preſentia

Vera perceptio corporis ⁊ ſan
guinis tui deus omnipotē
non veniat michi ad iudicium neq̃
ad condempnationem. ſz ſit om
nium peccatorum meorum opta
ta remiſſio anime et corporis me
pia gubernatio et potens ad vita.
preſentem eternam introductio.

Alia oratio ad dominum noſtrū.

Ad inuocatio tua domine oĩum
ſpirituales nequicie re
pellantur. et aeriarum diſcedit.
malignitas tempeſtatum. Qͥ
vivis ⁊ regnas deus. Per omnia



ſecula ſeculorum. Amen.

Oraiſõ pour impetrer grace des peche:

Exaudi queſumus domine
ſupplicum preces et confite
tium tibi parce peccatis. Ut pariter
indulgentiam nobis tribuas be
nignus et pacem. Per dominum.

Contre la tentation de la char.

Ure igne ſancti ſpiritus
renes nr̃os et cor noſtrū
domine ut tibi caſto corpore ſeruia
mus et mundo corde placeamus.
Qui viuis et regnas deus. Per.

Contre les mauuaiſes penſees.

Omnipotens ſempiterne deus
reſpice propicius ad preces
nr̃as et libera cor noſtrum de ma
larum temptatione cogitationum
Ut ſancti ſpiritus dignum fieri
habitaculum mereamur. Per.

Pour quelque tribulation.

Ineffabilem mĩam tuam
domine nobis clementer
oſtende. Ut ſimul nos et a pecca
tis exuas et a penis quas pro his.

meruimus eripias. Per dominum.
Pour lamy viuant en tribulacio
Deus qui iuſtificas impium
et non vis mortem pecca
torum maieſtatem tuam ſuppli
ces exoramus ut famulum tuum
N. de tua miã confidentem celeſti
protectione conſerues ut tibi iu
giter famuletur et nullis tenta
tionibꝫ a te ſeparetur. Per.
Pour ceulx qui ſont en voyage.
Adeſto domine ſupplicatio
nibꝫ et viam famulorũ
tuorum in ſalutis tue proſperitate
diſpone ut inter omnes vie et vite
huius varietates tuo ſemper pro
tegantur auxilio. Per dominũ.
Pour nos bienfaicteurs
Pretende domine famulis
et famulabꝫ tuis dexteram cele
ſtis auxilii ut te toto corde perqui
rant et que digne poſtulant aſſe
quantur. Qui viuis & regnas
deus per omnia ſecula ſeculorũ. A.
Pour les amys qui ſont en neceſſite



Omnipotens ſempiterne deus ſalus eterna credentium exaudi nos pro famulo tuo ſeu famula tua. N. pro quo vel pro qua miſericordie tue imploramus auxilium ut reddita ſibi ſanitate gratiarum tibi in eccleſia tua referat actionem. Qui tecum vivit et regnat in unitate ſpiritus ſancti deus. Per omnia ſecula ſeculorum. Amen.

Pour le tien amy qui eſt mort.

Suſcipe piiſſime deus in ſinu patriarche tui abrahe animam famuli tui. N. eamque ſanctis et electis omnibus adiunge ut nec ei noceat culpa carnis ad penam proſit illi tue miſeratio pietatis ad veniam. Per dominum

Pour le pere et la mere.

Deus qui nos patrem et matrem honorare precepiſti. miſerere clementer animabus patris mei eorumque peccata dimitte meque cum illis eterne claritatis gaudio fac videre. Per.

Quedam deuotiſſima contempla
tio beate marie virginis iuxta cru
cem filii sui lacrimantis et de compaſ
ſionem ſaluatoris ſingulares inuitatiue

Stabat mater doloroſa.
Iuxta crucem lacrimoſa.
Dum pendebat filius.
Cuius animam gementem
Contriſtantem et dolentem
Pertranſiuit gladius.
O quam triſtis et afflicta.
Fuit illa benedicta.
Mater unigeniti.
Que merebat et dolebat
Et tremebat cum videbat.
Nati penas incliti.
Quis eſt homo qui non fleret
Chriſti matrem ſi videret
In tanto ſupplicio.
Quis non poſſet contriſtari
Piam matrem contemplari
Dolentem cum filio.
Pro peccatis ſue gentis
Vidit ihesum in tormentis
Et flagellis ſubditum.





Vidit suum dulcem natum
Morientem desolatum
Dum emisit spiritum.
Eya mater fons amoris
Me sentire vim doloris.
Fac ut tecum lugeam
Fac ut ardeat cor meum
In amando christum deum
Ut sibi complaceam
Sancta mater istud agas.
Crucifixi fige plagas
Cordi meo valide.
Tui nati vulnerati
Iam dignantis pro me pati
Dum amoris imprime.
Fac me vere tecum flere
Crucifixo condolere.
Donec ego vixero.
Iuxta cruce tecu stare
Te libenter sociare.
In planctu desidero
Virgo virginum preclara.
Michi iam non sis amara.
Fac me tecum plangere.
Fac ut portem christi mortem

paſſionis eius ſortem
Et plagas recolere.
Fac me plagis vulnerari
Cruce hac inebriari
Ob amorem filii.
Inflammatus ⁊ accenſus
Per te virgo ſim defenſus
In die iudicii
Fac me cruce cuſtodiri
Cruce hac inebriari
Confoveri gratia.
Quando corpus morietur.
Fac ut anime donetur
Paradiſi gloria. Amen. Verſus.
Tuam ipſius animam doloris gla
dius pertranſibit. Reſponſorium.
Ut revelentur ex multis cogitationes
Interveniat pro nobis que
ſumus domine ihesu christe
nunc et in hora mortis apud tuam
clementiam beata virgo maria
mater tua, cuius ſanctiſſimam
animam in hora tue paſſionis
doloris gladius pertranſivit. Per te
ihesu ſalvator mundi. Qui cum patre

De beata virgine maria. Antipho.

Ave cuius conceptio
Solemni plena gaudio.
Celestia terrestria.
Nova replet leticia.
Ave cuius nativitas
Nostra fuit solemnitas
Ut lucifer lux oriens.
Verum solem preveniens.
Ave pia humilitas
Sine viro fecunditas
Cuius annunciatio
Nostra fuit redemptio.
Ave vera virginitas.
Immaculata castitas.
Cuius purificatio.
Nostra fuit purgatio.
Ave preclara omnibus
Angelicis virtutibus.
Cuius fuit assumptio.
Nostra glorificatio. Versus.

Ora pro nobis sanctissima dei genitrix. Responsorium. Ut digni efficiamur promissionibus xpi. Oremus.

Deus qui nos conceptionis

natiuitatis. annunciationis
purificationis et aſſumptionis
beate marie uirginis gaudia
recolendo letificas: concede nobis
ſic eius laudibus digne inſiſtere
ut eam in omni neceſſitate et
anguſtia precipue in hora mor
tis aſſiſtentem et auxiliatricem
ſentiamus et tecum poſt mortem
per ipſam et cum ipſa gaudere
mereamur. Per dominum nostrum
ieſum chriſtum filium tuum
qui tecum uiuit et regnat in uni
tate ſpiritus ſancti deus. Per
omnia ſecula ſeculorum. Amen

Antiphona de beata virgine maria

Sancta et immaculata vir
ginitas. quibus te laudibus
referam neſcio. Quia quem celi ca
pere non poterant tuo gremio con
tuliſti. Verſus. Benedicta tu in
mulieribus et benedictus fructus
ventris tui. Quia quem etc. Proſa

Inuiolata integra et ca
ſta es maria.



Que es effecta fulgida celi porta.
O mater alma xpi carissima.
Suscipe laudum pia preconia.
Que nos devota flagitat uox z cordi-
Ora ut pura pectora sint z corpora
Tu da per precata dulcisona.
Nobis perpetua frui vita.
O benigna.
O benigna.
O benigna que sola inuiolata
permansisti. Versus. Post par
tum uirgo inuiolata permansisti
Responsorium. Dei genitrix
Intercede pro nobis. Oremus.
Omnipotens sempiterne deus
qui gloriosissime uirginis et
matris marie corpus z animam
ut dignum filii tui habitaculum
effici mereretur cooperante spiri
tu sancto preparasti, da ut cuius
commemoratione letamur eius
pia intercessione ab instantibus
malis periculis et a morte per
petua subitanea liberemur. Per
eundem christum dominum nostrum. Amen.

Horae I
ILLU
*in ne*
*Fren*
*natec*
*grote*
*minic*
*nume*
*text,*

***

Horae B. V. M. ad Usum Ecclesiae Rothomagensis. Cum Calendario. ILLUMINATED MANUSCRIPT ON THIN VELLUM (63 *ll.* 7 × 5 *in.*) *written in neat flowing* gothic letters, *long lines, 25 to a full page; Calendar in French in red, blue and gold, each outside border of rich painted and illuminated decorative work of flower scrolls, natural flowers and fruits, birds, grotesque animals, etc. the Calendar having 24 small square illuminated miniatures of the occupations of the months and the Signs of the Zodiac, numerous illuminated ornamental initials and decorative details in the text, by a French Artist*

⁂ This beautiful little volume must have been originally commissioned by some noble patron, as a book for private use, about the end of the fifteenth century. It is a choice example of what French writers mean by calling the later monastic and lay illuminatings *l'art de babouiner*, or playing the monkey, as the main figure is usually either a baboon, or else a dog or other beast costumed, or a "quiffill," *i. e.* a beast made up of crow's head and rat's body, or some other monstrous mixture of incongruous limbs and bodies. It is very interesting from the immense variety of borders, every leaf showing a different design from the rest. We find upwards of 100 different illuminated borders, each having a comic, sometimes a graceful coloured figure amid very delicately painted sprays of foliage and flowers. Besides these borders there is an innumerable series of choice initials, some containing painted birds, others ornaments.